हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 09 | अंक : 36 | प्रयागराज, रविवार 07 मई , 2023 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

ओपीएस कर्नाटक में बना चुनावी मुद्दा, कांग्रेस ने किया लागू करने का वादा

बेंगलुरु। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में ओपीएस एक बड़ा मुद्दा बन गया है। राजनीतिक दल राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) को खत्म करने और पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को फिर से शुरू करने की मांग कर रहे सरकारी कर्मचारियों की नाराजगी और निराशा को भुनाने की कोशिश में जुटे हैं। सत्तारूढ़ भाजपा ने बाजार से जुड़े एनपीएस को समाप्त करने वाले राज्यों का अध्ययन करके ओपीएस को फिर से शुरू करने के लिए एक समिति का गठन किया है। रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने के बाद उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जाहिर है चुनाव में सरकारी कर्मचारियों की नाराजगी से बचने के लिए पार्टी ने अपने कार्यकाल के अंत में यह कदम उठाया है। राज्य के मतदाताओं में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी और पेंशनभोगी हैं। ओपीएस को फिर से शुरू करने के लिए विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं। कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र में ओपीएस के वादे के बाद यह विधानसभा चुनाव में प्रमुख मुद्दा बन गया। घोषणापत्र में लिखा है, 2006 से सेवा में शामिल पेंशन के पात्र सरकारी कर्मचारियों के लिए ओपीएस के विस्तार पर सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए। घोषणापत्र में पांच गारंटियों के बाद यह पार्टी के सबसे बड़े वादों में से एक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार ने कहा कि उनकी पार्टी उन लोगों के प्रति सहानुभूति रखती है जो ओपीएस में शामिल होना चाहते हैं। कांग्रेस ने वादा किया है और वह इसे निश्चित रूप से लागू करेगी। इस बीच, जद (एस) ने अपने चुनावी घोषणापत्र में वादा किया है कि एनपीएस की समीक्षा की जाएगी। पार्टी ने एक नई पेंशन योजना का प्रस्ताव रखा है जिसमें एनपीएस और ओपीएस दोनों के अच्छे पहलू शामिल होंगे। सरकारी सूत्रों का दावा है कि राज्य के 7.41 लाख सरकारी कर्मचारियों में से 2.97 लाख एनपीएस के दायरे में हैं। एनपीएस बाजार से जुड़ी सेवानिवृत्ति पेंशन योजना है जो 1 अप्रैल 2006 के बाद सरकारी सेवाओं में नियुक्त सभी कर्मचारियों के लिए है। ये कर्मचारी एनपीएस से खुश नहीं हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के बेंगलुरु शहर के अध्यक्ष मोहन दसारी ने बात करते हुए बताया कि उनकी पार्टी ने पंजाब राज्य में पहले ही ओपीएस लागू कर दिया है। उन्होंने कहा, हमारे पास ओपीएस को वापस लाने के लिए स्पष्ट नजरिया है और हम एनपीएस के पूरी तरह से खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, हम देश में सभी को बता रहे हैं कि हम ओपीएस को वापस लाना चाहते हैं। जो नई योजना को बढ़ावा दिया जा रहा है, उसे देश के बड़े निगमों की मदद के लिए लाया जा रहा है – अडाणी, अंबानी, टाटा और अन्य। उन्होंने कहा कि एनपीएस में पैसा शेयरों और म्यूचुअल फंड में लगाया जाता है। ये बड़ी कंपनियों के शेयर हैं। जनता के पैसे से वे कॉरपोरेट की दौलत बढ़ाना चाहते हैं। वहीं पुरानी पेंशन योजना पूरी तरह से लोगों के लिए थी। मोहन दसारी ने बताया कि पहले सेवानिवृत्ति के समय सरकारी कर्मचारियों को बड़ी रकम मिल रही थी। चूंकि यह बाजार से जुड़ी योजना है, इसलिए सेवानिवृत्ति के समय अब उन्हें उतना पैसा नहीं मिलता है। आम तौर पर सभी मध्यवर्गीय सरकारी कर्मचारी घर बनाने, बच्चों की शादी करने के लिए सेवानिवृत्ति का इंतजार करते हैं। उन्होंने कहा कि अब बाजार योजना के साथ वे किसी चीज का इंतजार कैसे करेंगे? इसका मतलब यह भी है कि सरकारी कर्मचारियों को अच्छी पेंशन भी नहीं मिलने वाली है। मध्यमवर्गीय सरकारी कर्मचारी पेंशन पर ही जीते हैं। वे उस राशि को पाने के लिए पूरे जीवन संघर्ष करते हैं। मोहन दसारी ने कहा, यह विशुद्ध रूप से कॉरपोरेट्स की मदद करने के लिए है। यह भाजपा और कांग्रेस सरकारें कर रही हैं। हम इसके पूरी तरह से खिलाफ हैं और ओपीएस को वापस लाने के लिए दृढ़ हैं। कांग्रेस द्वारा घोषणापत्र में किए गए वादे के बारे में पूछे जाने पर, मोहन दसारी ने सवाल किया कि कांग्रेस सरकार राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ओपीएस क्यों नहीं लाई, जहां वह शासन कर रही है? वे अब ऐसा क्यों नहीं कर रहे हैं? अगर कांग्रेस के पास ओपीएस के लिए कोई विजन है, तो उसे दोनों राज्यों में इसे लागू करना चाहिए था। चूंकि उन्होंने वहां नहीं किया है, इसलिए वे यहां भी नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि सत्तारूढ़ भाजपा विधायकों ने एनपीएस को समाप्त करने की मांग को लेकर विधानसभा से सत्र से बहिर्गमन किया था। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री जे. मधु स्वामी ने कहा था कि ओपीएस के तहत वेतन और पेंशन का भारी वित्तीय बोझ था। वेतन खर्च 90,000 करोड़ रुपये से अधिक और पेंशन खर्च 20,000 से 24,000 करोड़ रुपये था। भाजपा सरकार ने यहां तक कहा कि उसने उन सभी को एनपीएस के बारे में पहले ही सूचित कर दिया था जो 2006 के बाद भर्ती हुए थे और वे ओपीएस की मांग नहीं कर सकते। हालांकि, चुनावों में मिली हार की संभावना को देखते हुए भगवा पार्टी ने रुख नरम किया है। देखना यह है कि राजनीतिक दल इस मुद्दे को महज चुनाव में भुनाने के लिए उठा रहे हैं या उन्हें वाकई सरकारी कर्मचारियों की चिंता है।

अगले हफ्ते अमित आह के बंगाल दौरे में हो सकती है कटौती

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अगले सप्ताह पश्चिम बंगाल की प्रस्तावित यात्रा में काफी हद तक कटौती की जा सकती है। पार्टी की राज्य समिति के अंदरूनी सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, मूल रूप से निर्धारित दो दिवसीय यात्रा के बजाय, यात्रा को केवल एक दिन के लिए घटाया जा सकता है। साथ ही, मंत्री राज्य की राजधानी के भीतर अपने आंदोलन को भी सीमित कर सकते हैं। पहले की योजना के अनुसार, मंत्री को 8 मई को कोलकाता आना था और दो निकटवर्ती जिलों नदिया और मुर्शिदाबाद में एक सार्वजनिक रैली में भाग लेना था। उन्हें 9 मई को गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर एक सांस्कृतिक समारोह में भाग लेना था, राज्य के शीर्ष पार्टी नेताओं के साथ बैठक करनी थी और उसी दिन नई दिल्ली वापस जाना था। राज्य कमेटी सदस्य ने कहा, बदले हुए कार्यक्रम में राज्य में शाह का कार्यक्रम संभवतः घटाकर नौ मई तक कर दिया जाएगा। उस दिन वह सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे, राज्य के नेताओं के साथ बैठक करेंगे और राष्ट्रीय राजधानी लौटेंगे। इस यात्रा के दौरान वह किसी सार्वजनिक रैली को संबोधित नहीं करेंगे, जैसा कि उन्होंने पिछले महीने बीरभूम में किया था। पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के लोकसभा सदस्य सुकांत मजूमदार ने भी पुष्टि की है कि केंद्रीय मंत्री की राज्य यात्रा को एक दिन (9 मई) तक सीमित कर दिया गया है। अब, केंद्रीय मंत्रालय की पश्चिम बंगाल यात्रा को कम करने के लिए राज्य नेतृत्व के दो वर्गों द्वारा दो अलग–अलग कारण बताए जा रहे हैं। शाह का व्यस्त कार्यक्रम कहीं और पुनर्निर्धारित यात्रा का आधिकारिक कारण है। हालांकि, राज्य समिति के एक अन्य सदस्य ने कहा कि चूंकि अगले दिन गुरुदेव की जयंती के कारण बंगाली 8 मई से जश्न के मूड में होंगे, इसलिए पार्टी नेतृत्व ने एक पूर्ण सार्वजनिक राजनीतिक बैठक रद्द कर दी। पिछली बार अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में 14 अप्रैल को बीरभूम के सूरी में एक जनसभा को संबोधित किया था। बैठक के दौरान, उन्होंने दावा किया था कि अगर भाजपा अगले साल के आम चुनावों में राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 35 सीटें जीतने में सफल रही, तो तृणमूल कांग्रेस सरकार अपने कार्यकाल (2026 तक) से बहुत पहले गिर जाएगी।

कर्नाटक में तूफान मचाने के लिए प्रियंका ने कोई कसर नहीं छोड़ी

बेंगलुरु। कर्नाटक में डी–डे नजदीक आने के साथ, एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा के माननीयों (प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गश्ह मंत्री अमित शाह) के अलावा पार्टी के अन्य शीर्ष नेताओं के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाने के लिए एक व्यापक राज्य का दौरा शुरू किया है। प्रियंका आक्रामक मोड में हैं और सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर को बनाए रखने में काफी हद तक सफल रही हैं। उनके रोड शो, संवाद कार्यक्रमों और जन रैलियों में भारी भीड़ देखी गई है। कर्नाटक में अपने कार्यकाल के दौरान ₹1.5 लाख करोड़ रुपये की लूटश को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर उनके हमले ने चुनावी राज्य में एक बहस छेड़ दी है। जनता का पैसा मंत्रियों और नेताओं के आवासों पर पहुंचने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने कहा कि भाजपा ने लोगों के विश्वास और भरोसे को तोड़ा है। उन्होंने अपनी दादी दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को महत्वपूर्ण एमपी चुनावों में चुनकर राजनीतिक जीवन का एक नया पट्टा देने के लिए राज्य के लोगों के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर लिया। आपातकाल के बाद उत्तर प्रदेश के रायबरेली से हारने के बाद इंदिरा गांधी चिकमंगलूर सीट से चुनी गईं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि उनका परिवार फिर से संकट में है और उन्हें फिर से इसका समर्थन करने और कांग्रेस पार्टी को सत्ता में लाने की जरूरत है। बात करते हुए वरिष्ठ नेता और केपीसीसी के प्रवक्ता निजाम फौजदार ने कहा कि कर्नाटक एक बड़े राजनीतिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। प्रशासनिक भ्रष्टाचार और मूल्य वृद्धि आम आदमी और गरीबों को प्रभावित कर रही है। इसने आज के जीवन में बड़ी चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। प्रियंका गांधी के कर्नाटक आने से कांग्रेस पार्टी की संभावनाओं को बल ही मिला है। कांग्रेस द्वारा जारी किए गए घोषणापत्र में प्रस्तावित नीतियां और कार्यक्रम उनकी लोकप्रियता के कारण पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच गए हैं। निजाम फौजदार ने कहा कि वह जहां भी गई हैं वहां रैलियों और रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी है।

प्रवृत्ति उनकी लोकप्रियता और गांधी परिवार और प्रियंका गांधी के प्रति लोगों की स्वीकृति को इंगित करती है और साबित करती है। उन्होंने कहा कि उनकी यात्राओं ने आगामी विधानसभा चुनावों में कर्नाटक में 150 सीटों से आगे जाने की हमारी संभावनाओं को बढ़ा दिया है।

चिराग ने नीतीश को दी चुनौती, हिम्मत है तो बजरंग दल पर बैन लगाकर देख लें

पटना । लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार निशाना साधते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो बैन लगाकर देख लें। पटना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए चिराग से जब जदयू सांसद की बजरंग दल पर बैन लगाने की मांग के संबंध में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि जदयू सांसद मांग क्या कर रहे हैं, राज्य में उनकी सरकार है अगर ताकत है तो बैन करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन को सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए उसके नाम को इस्तेमाल करने के लिए इस तरह का बयानबाजी करना बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि क्या विपक्ष के पास मोदी सरकार से चुनाव जीतने के लिए और दूसरा विकल्प नहीं रहा जो इस तरह का बयान दिया जा रहा है। जमुई के सांसद ने कहा कि जदयू बताए की किस घटना के आधार पर बजरंग दल को बैन करने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महज एक राजनीतिक लाभ लेने के लिए विपक्ष कर्नाटक में विरोध कर रहा है, तो बाकी के भी विरोधी दल बहती गंगा में हाथ धोना चाहते हैं।

मैं आतंकवादियों को पीएम से बेहतर समझता हूं, उन्होंने मेरी दादी और पिता को मारा, बेलगावी में राहुल का मोदी पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आतंकवाद के विषय को लेकर उनकी पार्टी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए हमले के बाद पलटवार करते हुए शनिवार को कहा कि आतंकवादियों ने उनकी दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी की हत्या की थी तथा ऐसे में वह आतंकवाद को प्रधानमंत्री मोदी से बेहतर समझते हैं। उन्होंने यहां चुनावी सभा में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को 'बहाने बनाने के बजाय कर्नाटक के युवाओं को यह बताना चाहिए कि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में प्रदेश में '40 प्रतिशत कमीशन के खिलाफ क्या किया। राहुल गांधी ने कहा, ''प्रधानमंत्री आतंकवाद की बात करते हैं। उनसे बेहतर मैं आतंकवाद को समझता हूं। मेरे परिवार के लोगों को आतंकवादियों ने मारा है, मेरी दादी को मारा, मेरे पिता को मारा है। आतंकवाद क्या होता है, क्या करता है? इस बात को प्रधानमंत्री से बेहतर मैं समझता हूं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में फिल्म 'द केरल स्टोरी को लेकर जारी विवाद का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा था और आरोप लगाया था कि वह समाज को तहस–नहस करने वाली 'आतंकी प्रवृत्ति के साथ खड़ी नजर आ रही है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ''पिछले तीन वर्षों में भाजपा ने कर्नाटक में चोरी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। शायद देश की सबसे भ्रष्ट सरकार कर्नाटक की भाजपा सरकार है।

ठेकेदारों के संघ ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर कहा कि 40 प्रतिशत कमीशन लिया जा रहा है। आज तक प्रधानमंत्री ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री कर्नाटक में आते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार के बारे में एक शब्द नहीं बोलतेकृप्रधानमंत्री जी, कर्नाटक के युवाओं को बताइए कि आपने भ्रष्टाचार के खिलाफ क्या किया? राहुल गांधी ने सवाल किया, ''गैस सिलेंडर पहले 400 रुपये का था, अब 1100 रुपये का हो गया है। प्रधानमंत्री जी ने इसके बारे में क्या किया? पेट्रोल पहले 60 रुपये प्रति लीटर था, अब 100 रुपये प्रति लीटर हो गया है, इसके बारे में क्या किया? महंगाई को लेकर प्रधानमंत्री ने क्या किया? उन्होंने कहा, ''इस बार हम क्रांतिकारी कार्य करने जा रहे हैं। राहुल गांधी के मुताबिक, कांग्रेस ने जिन पांच चुनावी गारंटी की बात है, सरकार में आने के पहले दिन ही इन पर काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने लोगों का आह्वान किया, ''भाजपा को 40 नंबर अच्छा लगता है। पिछले तीन साल उन्होंने 40 प्रतिशत की बात रोज आपको सुनाई। चुनाव में आप भी उनको 40 प्रतिशत याद दिलाएं और 40 सीटें दें। कांग्रेस को कम से कम 150 सीट जितानी है, क्योंकि अगर 150 सीट नहीं आई तो भाजपा के लोग सरकार 'चुरानेश का प्रयास करेंगे। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आतंकवाद के विषय को लेकर उनकी पार्टी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए हमले के बाद पलटवार करते हुए शनिवार को कहा कि आतंकवादियों ने उनकी दादी इंदिरा गांधी और पिता राजीव गांधी की हत्या की थी तथा ऐसे में वह आतंकवाद को प्रधानमंत्री मोदी से बेहतर समझते हैं।

उन्होंने यहां चुनावी सभा में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को 'बहाने बनाने के बजाय कर्नाटक के युवाओं को यह बताना चाहिए कि उन्होंने पिछले तीन वर्षों में प्रदेश में '40 प्रतिशत कमीशनश के खिलाफ क्या किया? राहुल गांधी ने कहा, ''प्रधानमंत्री आतंकवाद की बात करते हैं। उनसे बेहतर मैं आतंकवाद को समझता हूं। मेरे परिवार के लोगों को आतंकवादियों ने मारा है, मेरी दादी को मारा, मेरे पिता को मारा है।

न्याय में देरी, 12 साल की उम्र में छिन गई थी छत, 93 की उम्र में हाईकोर्ट से मिला पक्ष में फैसला

बंबई। हाईकोर्ट ने आठ दशक से चले आ रहे संपत्ति विवाद मामले में आखिरकार 93 वर्षीय महिला को उसका हक देने का निर्णय लिया है। हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को दक्षिण मुंबई के दो फ्लैट उसके मालिक को सौंपने का निर्देश दिया है। बता दें, फ्लैट दक्षिण मुंबई में रूबी मेंशन की पहली मंजिल पर स्थित हैं और 500 वर्ग फुट और 600 वर्ग फुट के हैं। मामला देश की आजादी से पहले का है। 13 जुलाई 1944 में लिखे एक पत्र में बॉम्बे नगर पालिका के तत्कालीन डिप्टी सिटी इंजीनियर ने परिसर के तत्कालीन मालिक (वर्तमान मालिक एलायस डिसूजा के पिता एचएस डायस) को सूचित किया था कि दो फ्लैटों को नगरपालिका उपयोग के लिए रखा गया था। बाद में बंबई के गवर्नर ने 17 जुलाई 1946 को आदेश दिया कि प्रॉपर्टी के मालिक, डिफेंस ऑफ इंडिया नियम के अंतर्गत वह यह प्रॉपर्टी डी। एस। लॉड नाम के सरकारी कर्मचारी को दे दें। हालांकि ,24 जुलाई 1946 को कलेक्टर ने इन संपत्तियों को रिक्वीजिशन के दायरे के बाहर कर दिया। 27 जुलाई, 1946 के आदेश में बॉम्बे के कलेक्टर ने निर्देश दिया कि इमारत की पहली मंजिल का कब्जा, जहां परिसर स्थित हैं उसे मांग से मुक्त किया जाना चाहिए और मालिक को दिया जाना चाहिए। इस आदेश के बावजूद परिसर का कब्जा मालिक को नहीं सौंपा गया। 08 अप्रैल 1952, 24 मार्च 1952 और 02 मई 1952 के पत्रों में लाड के वकील ने परिसर का कब्जा मालिक को सौंपने से इनकार कर दिया। एक पत्र में कहा गया कि उक्त परिसर पर साल 1944 से लॉड का कब्जा है। अंततः 8 मई 1987 को, मालिक ने लॉड को नोटिस जारी कर उक्त परिसर को मांग से मुक्त करने का अनुरोध किया। 1987 से 1991 के बीच मालिक द्वारा रिट याचिकाएँ दायर की गईं लेकिन किसी न किसी कारण से उन्हें वापस ले लिया गया। बाद में बॉम्बे भूमि अधिग्रहण (बीएलआर) अधिनियम की धारा 8सी (2) के तहत नोटिस के साथ 2009 में नई मुकदमेबाजी शुरू हुई, जिसे महाराष्ट्र भूमि अधिग्रहण अधिनियम के नाम से जाना जाता है। इसे मंगेश डी। लाड (डीएस लॉड के कानूनी उत्तराधिकारी) को जारी किया गया और परिसर में उनके कब्जे के संबंध में सुनवाई के लिए बुलाया गया। विस्तृत सुनवाई के बाद आवास नियंत्रक (सीओए) ने लाड को आदेश प्राप्त होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर परिसर खाली करने और राज्य सरकार को खाली कब्जा सौंपने का निर्देश दिया। सीओए ने निष्कर्ष निकाला कि लॉड द्वारा जिन दस्तावेजों पर भरोसा किया गया है, वे किरायेदारी स्थापित नहीं करते हैं। सीओए ने कहा कि डी। एस। लॉड को परिसर में विशिष्ट इरादे से शामिल किया गया था क्योंकि वह सरकारी कर्मचारी थे। कोर्ट ने कहा कि सरकारी सेवक (आवंटी) की सेवानिवृत्ति या मृत्यु के बाद सरकारी सेवक या उसके कानूनी उत्तराधिकारियों को परिसर में कब्जा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सीओए के इस आदेश को लॉड ने चुनौती दी थी और मालिक की ओर से याचिका भी दायर की गई थी।

कश्मीर मुठभेड़: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राजौरी में सुरक्षा स्थिति का लिया जायजा

जम्मू । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती जिलों–राजौरी और पुंछ में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। इन जिलों में आतंकवादियों द्वारा अक्टूबर 2021 से लेकर अब तक किए गए आठ हमलों में 26 सैनिकों सहित कुल 35 लोगों की जान गई है। राजनाथ ने राजौरी जिले के कांडी वन क्षेत्र में शुक्रवार को सेना के आतंकवाद–विरोधी अभियान के दौरान आतंकवादियों द्वारा किए गए विस्फोट में पांच जवानों के शहीद होने के एक दिन बाद इलाके का दौरा किया। अधिकारियों ने बताया कि राजनाथ कुछ देर जम्मू में रुके और फिर सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे व जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ राजौरी में 'एस ऑफ स्पेड्स डिवीजन मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान, उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ अभियान में शामिल सैनिकों से संवाद भी किया। राजौरी जिले के कांडी वन क्षेत्र में शुक्रवार को सेना के आतंकवाद–विरोधी अभियान 'ऑपरेशन त्रिनेत्रश के दौरान आतंकवादियों द्वारा किए गए विस्फोट में पांच जवान शहीद हो गए थे और एक शीर्ष अधिकारी घायल हो गया था। शनिवार सुबह अभियान के दौरान क्षेत्र में छिपे हुए एक आतंकवादी के मारे जाने और एक अन्य के घायल होने की खबर है। अधिकारियों के मुताबिक, जनरल मनोज पांडे रक्षा मंत्री से कुछ देर पहले दिल्ली से जम्मू पहुंचे। उन्होंने बताया कि उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, व्हाइट नाइट कॉर्प्स के कॉर्प्स कमांडर और जम्मू के मंडल आयुक्त ने भी राजनाथ के साथ राजौरी का दौरा किया। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू लौटने से पहले रक्षा मंत्री को कांडी वन क्षेत्र में चलाए जा रहे अभियान के बारे में जानकारी दी गई, जिसके बाद उन्होंने जम्मू–कश्मीर, खासकर राजौरी और पुंछ में समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए एक उच्च–स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इससे पहले, उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी ने मुठभेड़ स्थल का दौरा किया। इस दौरान, उन्हें कमांडरों द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन त्रिनेत्र के ताजा घटनाक्रमों की जानकारी दी गई। जम्मू के राजौरी और पुंछ को एक दशक से अधिक समय पहले आतंकवाद–मुक्त घोषित कर दिया गया था। हालांकि, पिछले 18 महीनों में इन दोनों ही जिलों में कई आतंकवादी हमले हुए हैं। कांडी वन क्षेत्र में शुक्रवार को सुरक्षाबलों पर हुआ हमला इस साल केंद्र–शासित प्रदेश में हुआ तीसरा बड़ा आतंकवादी हमला था।

सम्पादकीय

गर्मी में सर्दी

मई की शुरुआत में जब पूरा देश लू की चपेट में होता है उस समय जब लोगों को गरम कपड़ों की जरूरत महसूस होने लगे तो समझ लेना चाहिए कि ग्लोबल वार्मिंग के संकट ने दरवाजे पर दस्तक दे दी है। कहने को यह मौसम पश्चिमी विक्षोभ की देन है लेकिन सवाल यह है कि समुद्र के मिजाज में यह परिवर्तन क्यों आ रहा है। बताया जा रहा है कि दस मई तक किसी भी इलाके में गरम लहरें नहीं महसूस होंगी। तमाम इलाकों में बारिश व ओलावृष्टि तथा पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हैरत में डाल रही है। कमोबेश देश के अधिकांश भागों में मौसम के मिजाज में यह तीव्र बदलाव महसूस किया गया है। दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में सुबह धुंध जैसी स्थिति नजर आई है। लोग भले ही इस मौसम को सुहावना बता रहे हों, लेकिन किसान अभी खेतों में खड़ी फसल को पूरी तरह काट नहीं पाये हैं। यदि अन्न बर्बाद होता है तो हमारी खाद्य शृंखला भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकेगी। महंगाई की मार से हमें दो–चार होना पड़ेगा। यही वजह है कि किसान के माथे पर भी चिंता की लकीरें हैं। निस्संदेह, जब मई के महीने में फरवरी–मार्च के मौसम का अहसास होने लगे तो इसे खतरे की घंटी के तौर पर देखा जाना चाहिए। ये हाल उस मौसम में है जब देश के विभिन्न भागों में भीषण गर्मी पड़ती है और तापमान पचास डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचता है। इस समय सूर्य पूरे ताप के साथ नजर आता है। हालांकि, अप्रैल में कुछ समय भरपूर गर्मी रही लेकिन बाद में माह के अंत और मई की शुरुआत में तापमान अचानक बदल गया। यह स्थिति सिर्फ उत्तर भारत में ही हो, ऐसा भी नहीं है। इसका प्रभाव दक्षिणी, पश्चिम, मध्य व पूर्वी भारत में भी नजर आ रहा है। यहां तक कि कई इलाकों में तापमान में दस डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। मौसम के मिजाज में आये इस अप्रत्याशित बदलाव को देखकर लोग हैरत में हैं कि क्या वाकई ये मई का महीना है? क्या गर्मी आएगी भी? दरअसल, जिस समुद्री व्यवहार में बदलाव को इस मौसम की वजह बताया जा रहा है, उसके निकट भविष्य में फिर दोहराये जाने की बात भी कही जा रही है। कमोबेश भारत ही नहीं, पूरे यूरोप भी में मौसम की ऐसी तल्खी नजर आ रही है। तमाम यूरोपीय देशों में तापमान के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। यह कटु सत्य है कि जब भारत में ठंड का अहसास हो रहा है तो पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। वहीं दक्षिण भारत में तेज बारिश से तापमान में गिरावट आई है। सभी राज्यों में मई में रिकॉर्ड बारिश दर्ज की गई है। पूर्वोत्तर भारत में ऐसी ही स्थिति है। भविष्य में कई राज्यों में तूफान व बारिश की भविष्यवाणी की जा रही है। कुछ लोग पाकिस्तान की तरफ से अरब सागर के जरिये उठने वाले वातावरणीय दबाव को बारिश व तूफान का कारण बता रहे हैं। जिसके चलते मौसम के रोज नये रिकॉर्ड बन रहे हैं। वैज्ञानिक अनुसंधान में जुटे हैं कि किस वजह से इस साल फरवरी के महीने में अप्रत्याशित गर्मी पड़ी थी। बताते हैं कि पिछली पूरी सदी में भी पृथ्वी फरवरी में कभी इतनी गर्म नहीं रही। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस साल अभी नौ बार पश्चिमी विक्षोभ का असर नजर आयेगा। जिसकी वजह से बार–बार मौसम में बदलाव महसूस होंगे। आखिर क्या वजह है कि जब भारत में तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है तो यूरोप, कनाडा व उत्तरी एशिया में तापमान में लगातार वृद्धि महसूस की जा रही है। ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव देखिये कि एक समय में कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे की स्थिति है। कहीं गर्मी में सर्दी का अहसास हो रहा है तो कहीं ठंडे इलाकों में लगातार गर्मी बढ़ रही है। सबसे बड़ा डर इस बात का है कि भारत में ग्लेशियरों पर पिघलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। जिसका स्थायी प्रभाव भारतीय मौसम पर नजर आ सकता है।

सबके मन की बात

पीएम नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की सौंवीं कड़ी पूरी हो गई है। इस अवसर पर देश और विदेश में जिस तरह का उत्साह देखा गया, उससे पता लगता है कि प्रधानमंत्री द्वारा सामान्य व्यक्ति के रोजमर्रा के जीवन को मन की बात में अपनी वार्ता का विषय बनाना निस्संदेह सराहनीय और अभिनव प्रयोग रहा है। प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम में गैर–राजनीतिक मुद्दे उठाए जाते हैं जो सीधे– सीधे आम आदमी के सामाजिक जीवन से जुड़े होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मन की वात को सबके मन की बात भी कहा जा सकता है। उन्होंने कहा भी कि मन की वात कोटि–कोटि भारतीयों के मन की बात है। उनकी भावनाओं का प्रकटीकरण है। प्रधानमंत्री मोदी का विश्वास है कि मन की बात आज एक कार्यक्रम नहीं, वल्कि आस्था, पूजा और व्रत है, आध्यात्मिक यात्रा है । स्व से समिष्टि और अहम से वयम की यात्रा है। इसका अर्थ है कि मन की वात व्यक्ति से शुरू होकर सार्वभौमिक हो जाना और अहंकार से मुक्त होकर पूर्णता को प्राप्त करना है। मन की बात की सौंवीं कड़ी संयुक्त राष्ट्र से लेकर अमेरिका, इंग्लैंड, यूक्रेन और न्यूजीलैंड तक देखी और सुनी गई। केंद्र और कई राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा ने सौंवीं कड़ी को विराट आयोजन में वदल दिया। पार्टी ने दावा किया है कि करीव चार लाख स्थलों पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में वेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, आजादी का अमृत महोत्सव, खादी को लोकप्रिय बनाने और प्रकृति से जुड़े अपने कार्यक्रमों का जिक्र किया। दसवीं और वारहवीं के वोर्ड की परीक्षाओं में छात्रों को होने वाले मानसिक तनाव जैसे मुद्दे भी इस कार्यक्रम में उठाए जाते हैं और तनाव से मुक्त होने के उपाय भी सुझाए जाते हैं।

बिहार की रुकी जाति जनगणना

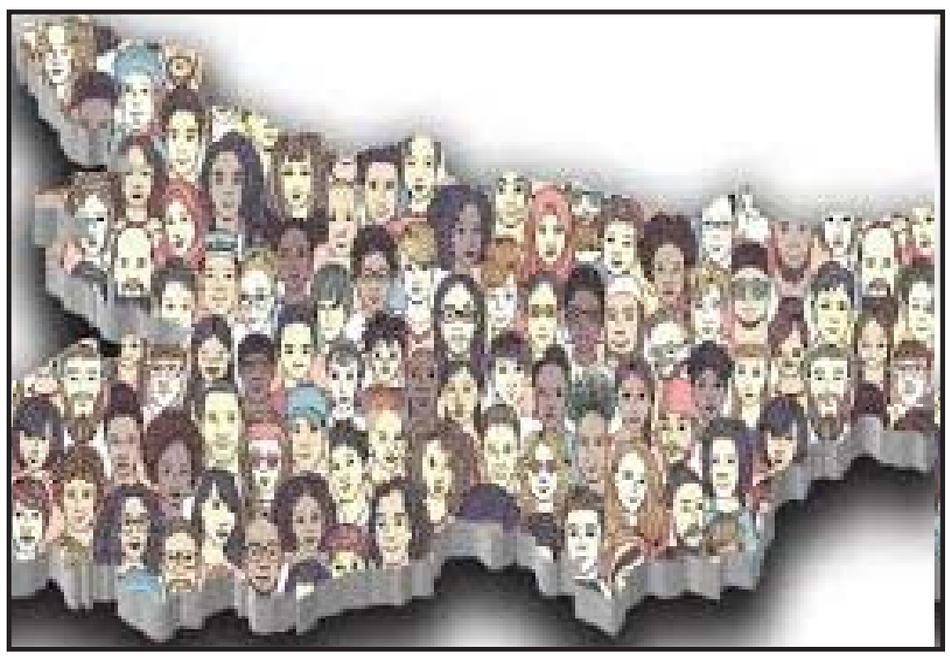

पटना उच्च न्यायालय द्वारा बिहार सरकार द्वारा कराये जा रहे जातिगत सर्वेक्षण या जनगणना पर तुरन्त रोक लगा देने से यह स्पष्ट हो गया है कि भारतीय संघ की विभिन्न राज्य सरकारें अपने–अपने प्रदेशों की जनता की जनगणना नहीं करा सकती हैं क्योंकि भारतीय संविधान में ऐसा कोई प्रवधान नहीं है। इसकी वजह यह है कि पूरे देश की जनगणना 1948 के कानून के अनुसार भारत सरकार द्वारा ही अखिल भारतीय स्तर पर कराई जा सकती है। भारत का कोई भी कानून किसी राज्य सरकार को यह अधिकार नहीं देता है कि वह प्रादेशिक आधार पर यह काम करा सके। 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद यह मांग बड़ी तेजी से उठती रही है कि देश में जातिगत जनगणना कराई जानी चाहिए। इसके पक्ष व विपक्ष में अलग– अलग तर्क हो सकते हैं मगर इतना निश्चित है कि प्रत्यक्ष रूप से यह कार्य केवल केन्द्र सरकार द्वारा ही कराया जा सकता है। भारत के संविधान में जब आजादी के बाद अनुसूचित जातियों व जन जातियों को आरक्षण दिया गया था तो सरकार के सामने 1931 में अंग्रेज सरकार द्वारा की गई जातिगत जनगणना के आंकडे थे मगर 1990 में जब सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग (ओबीसी) को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया तो इस वर्ग के लोगों के कोई अधिकारिक आंकड़े नहीं थे। मंडल आयोग ने अनुमान के आधार पर इस वर्ग के लोगों को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की सिफारिश की थी और राय जाहिर की थी भारत में पिछड़े समुदाय के लोगों की सैकड़ों जातियां हैं जो हिन्दू व मुस्लिम दोनों ही सम्प्रदायों के लोगों के बीच में मौजूद हैं। इसमें भी अलग–अलग राज्य में अलग–अलग पिछड़ी जातियां हैं।

यही वजह कि जिस जाति के लोग बिहार में पिछड़े समुदाय में आते हैं, उत्तर प्रदेश या प. बंगाल में वे उस वर्ग में नहीं आते। परन्तु यह कार्य राज्य अपनी मनमर्जी से नहीं कर सकते इसके लिए केन्द्र स्तर पर पिछड़ा आयोग है। परन्तु सवाल यह है कि पटना उच्च न्यायालय ने बिहार की नीतीश सरकार के जातिगत जनगणना या सर्वेक्षण के काम को पूर्णतः गैर कानूनी माना है और कहा है कि सर्वेक्षण के नाम पर जनगणना कराने का काम नहीं किया जा सकता। परन्तु भारत में यह मुद्दा विशुद्ध रूप से राजनीति का विषय बन चुका है और इसका सम्बन्ध सीधे सामाजिक न्याय से जोड़ दिया गया है। लोकतन्त्र में इसमें कोई हर्ज भी नहीं है क्योंकि सामाजिक न्याय तभी हो सकता है जबकि पहले यह पता चले कि समाज के किन वर्गों के साथ अन्याय होता रहा है। इस दृष्टि से देखें तो कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी द्वारा उठाया गया यह प्रश्न गैर वाजिब नहीं है कि 2011 में उनकी पार्टी के नेतत्व में रही मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने जो जातिगत जनगणना कराई थी उसके आंकड़े वर्तमान केन्द्र सरकार जारी करे जिससे यह पता लग सके कि देश में कुल कितने पिछड़े हैं और कितने अनुसूचित जाति या जन जाति के लोग हैं। मगर दूसरी तरफ तर्क यह है कि जो संविधान जाति विहीन समाज की बात करता है और जाति प्रथा से मुक्ति पाने की बात करता है उसकी गणना करके क्या हम इस कुप्रथा की जड़ें और गहरी नहीं करेंगे? मगर इसके साथ यह भी सच है कि संविधान ही सामाजिक न्याय की बात करता है और कहता है कि जो लोग पिछड़े रह गये हैं उन्हें सशक्त बनाने के उपाय राज्य विशेष प्रयासों से करेगा। यही वजह है कि मंडल आयोग की सिफारिशें 1990 में केवल शासकीय आदेश से ही लागू कर दी गईं थीं क्योंकि संविधान में इसकी व्यवस्था पहले से ही थी। मगर पिछड़ेपन का आधार सामाजिक व शैक्षणिक ही होगा। इसी वजह से सामाजिक न्याय का मुद्दा जातियों से जाकर जुड़ता है क्योंकि भारतीय समाज की जाति व्यवस्था ही किन्हीं वर्गों के लोगों को ऊंचा या नीचा करके देखती है। इसके चलते ही ऐसे वर्गों के लोगों को शिक्षा से वंचित रखा गया और जाति में बंधे इन लोगों को समाज ने ऐसे काम–धंधों के लायक ही रहने दिया जिनमें श्रम व शिक्षा का कोई तालमेल ही न बैठाया जा सके। इनमें किसानी से लेकर खेतीहर, श्रम व दस्तकारी व कारीगरी और शिल्पकारी आदि के अलावा छोटे–मोटे काम–धन्धे करने वाले लोग पीढ़ी दर पीढ़ी से खपते रहे और उनकी पश्थक जातियां तक काम के आधार पर ही बनती चली गईं।

उदाहरण के लिए हम नाई, धोबी, जुलाहे, खटीक, कुम्हार, लुहार, कहार, बढ़ई आदि समाज के लोगों को ले सकते हैं। इनकी नई पीढिघ्यों के साथ न्याय करने के लिए जरूरी है कि इनके शैक्षणिक उत्थान से लेकर सामाजिक उत्थान तक के लिए राज्य विशेष प्रोत्साहन दें। मगर यह कार्य भारत के संविधान के अनुसार ही हो सकता है जबकि बिहार सरकार ने पिछड़े समुदाय की गणना करने के लिए जातिगत सर्वेक्षण का रास्ता चुना और ब्यौरा जनगणना की तरह भरा। सर्वेक्षण किसी वर्ग या समाज अथवा समूह के मत के विचार जानने के लिए होता है और जनगणना प्रत्येक नागरिक की निजी समूची स्थिति जानने का पक्का अधिकारिक आंकड़ा होता है। जिसके आधार पर राज्य अपनी नीतियों का निर्माण कर सके।

मणिपुरः सुलगी दबी हुई चिंगारी

मणिपुर को मणियों की भूमि कहा जाता है। यह राज्य समृद्ध घाटियों की धरा है जो सुंदर पहाघडियों और झीलों से घिरी हुई है। मणिपुर 1891 में ब्रिटिश राज्य के अंतर्गत एक रियासत थी। वर्ष 1947 में मणिपुर संविधान अधिनियम के अंतर्गत महाराजा को कार्यकारी प्रमुख बनाते हुए एक लोकतांत्रिक सरकार स्थापित की गई। 21 जनवरी 1972 को भारत में एकीकरण के साथ यह क्षेत्र पूर्ण राज्य बन गया। प्राकृतिक सौंदर्य के घलिए पहचाना जाने वाला मणिपुर एक संवेदनशील सीमांत राज्य भी है। सामरिक दृष्टिकोण से भी इस राज्य का अपना महत्व है। राज्य में बड़े पैमाने पर हिंसा से न केवल राज्य सरकार चिंतित है बल्कि केंद्र सरकार के लिए भी बड़ी परेशानी का सबब है। गृहमंत्री अमित शाह राज्य के मुख्यमंत्री एन.वीरेन सिंह से संपर्क बनाए हुए हैं और घस्थिति पर नजर रखे हुए हैं। मणिपुर में गत बुधवार से ही जमकर हिंसा हुई। हालात इतने गंभीर हुए कि आठ जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया। देखते ही देखते धर्मस्थलों, घरों, वाहनों और सरकारी सम्पत्ति को आग के हवाले कर दिया गया। दस हजार के करीब लोगों को हिंसा प्रभावित इलाकों से निकालकर राहत शिविरों में भेजा गया। मणिपुर के हालात को देखते हुए वहां जाने वाली कई ट्रेनें रद्द कर दी गईं। इंटरनेट सेवाएं ठप्प हैं। अब सवाल यह है कि मणिपुर आखिरकार जला क्यों? हालत इतनी तेजी से क्यों बिगड़े कि दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश देने पड़े। मणिपुर के धूं–धूं जलने के पीछे आदिवासियों और गैर आदिवासियों के बीच वर्चस्व की जंग है। यह जंग सालों पुरानी है। जो राख में दबी चिंगारियों के आग की लपटों में बदल गई। आदिवासी और गैर आदिवासी लोग आपस में क्यों लड़े। इसके पीछे भी दोनों के अपने–अपने तर्क हैं। मणिपुर के तीन प्रमुख समुदाय हैं मैतेई, नागा और कुकी। आदिवासी समुदाय नागा और कुकी हैं जबकि मैतेई गैर अदिवासी समुदाय है। मणिपुर में आदिवासी समुदायों के लिए कुछ प्रावधान भी किए हैं, इसके तहत राज्य के आदिवासी लोग पहाड़ी इलाकों और घाटी में दोनों ही जगह बिना रोक–टोक बस सकते हैं, जबकि गैर–आदिवासी समुदाय को सिर्फ घाटी में रहने की ही अनुमति है। राज्य में 90: पहाड़ी इलाका और बाकी बचा 10: घाटी है। संख्याबल के हिसाब से बात की जाए, तो मणिपुर में 53: से ज्यादा आबादी मैतेई समुदाय की है, जबकि नागा और कुकी समुदाय की आबादी 40 फीसदी के आसपास है, तो एक तरह से इसे वर्चस्व की लड़ाई भी कहा जा सकता है। मैतेई समुदाय पिछले करीब 10 सालों से अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग कर रहा है। इसी कड़ी में मैतेई ट्राइब यूनियन ने मणिपुर हाईकोर्ट का रुख किया और अदालत के सामने मांग रखी कि वो राज्य सरकार को उनकी मांग पर विचार करने का निर्देश दे और इसके लिए राज्य केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्रालय को एक सिफारिश भी भेजे। इस मामले की सुनवाई के बाद ही पिछले महीने अदालत ने अपना फैसला मैतेई समुदाय के पक्ष में सुनाया और राज्य सरकार से केंद्र को सिफारिश भेजने और उनकी मांग पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि वो 4 महीने के भीतर केंद्र को सिफारिश भेजे। कोर्ट के इस फैसले के विरोध में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन ऑफ मणिपुर ने आदिवासी एकता मार्च निकाला और इस दौरान हिंसा भड़क उठी। दोनों ही पक्ष अपने–अपने पक्ष में तर्क देते हैं। मैतेई समुदाय का कहना है कि 1949 में भारत के साथ रियासत के विलय से पहले मैतेई समुदाय को आदिवासी समुदाय के रूप में मान्यता दी गई थी लेकिन विलय के बाद इसने अपनी आदिवासी पहचान खो दी। समुदाय का कहना है कि वह एसटी का दर्जा सिर्फ नौकरियों और शिक्षा संस्थानों में आरक्षण के लिए नहीं मांग रहा बल्कि यह पैतश्क सम्पधत्ति, संस्कृति और पहचान का मसला है। वहीं दूसरी ओर आदिवासी समुदाय का कहना है कि मैतेई समुदाय जनसंख्या में ज्यादा है और राजनीधित में इस समुदाय का प्रभुत्व है क्योंकि राज्य में 60 में 40 विधानसभा सीटें घाटी में हैं। आदिवासियों को डर है कि मैतेई समुदाय आदिवासी समुदाय को मिलने वाली नौकरियों और अन्य लाभ छीन सकता है। मैतेई घाटी में रहते हैं और वे बहुसंख्यक हैं लेकिन जिनकी आबादी कम है उनके अधिकारों की भी रक्षा होनी चाहिए। पहाड़ी जिलों के आदिवासियों के अधिकार नहीं छीने जाने चाहिए।

एक बड़ी चिंता यह भी है कि पहाड़ी जिलों में 40 फीसदी आबादी इसाई है। मणिपुर के पहाड़ी जिलों को ग्रेटर नागालैंड में शामिल करने की मांग काफी पहले से हो रही है। मैतेई समुदाय के दबदबे से बचने के लिए मणिपुर के पहाड़ी जिलों के अधिकांश लोग ग्रेटर नागालैंड में शामिल होने के इच्छुक हैं। आदिवासी समूहों को लगता है कि अगर मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा मिला तो वे पहाड़ों पर भी जमीन खरीदना शुरू कर देंगे इससे आदिवासी हाशिए पर चले जाएंगे। मणिपुर में अवैध घुसपैठ की समस्या तो कई सालों से बनी हुई है। राज्य की भाजपा सरकार को चाहिए कि वह जन भावनाओं का सम्मान करते हुए सभी समुदायों को विश्वास में ले और किसी के अधिकार छीनने की आकांक्षाओं को समाप्त किया जाए। पूर्वोत्तर भारत के जनजातीय समुदाय अपनी अलग संस्कृति और पहचान बनाए रखने के मामले में काफी संवेदनशील है। इसलिए कई बार पूर्वोत्तर भारत के राज्य जल उठते हैं। राज्य सरकार को बहुत ही सावधानी से काम करना होगा। **–आदित्य नारायण**

आज का राशिफल

मेष :– निकट संबंधों में शंकाओं को न हावी होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। संबंध प्रगाढ़ होंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

वृषभ :– अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। रोजगार क्षेत्र में अनुकूल स्थिति मन को प्रसन्न रखेगी।

मिथुन :– संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरें द्वारा प्रशसं के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कर्क :– बीती बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर बनेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा। अच्छी आकाक्षाओं की पूर्ति होगी।

सिंह :– नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्पूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। जरूरी कायरे में देरी कतई न करें।

कन्या :– किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले हेतु मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। आलस्य न करें।

तुला :– महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्यधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

वृश्चिक :– परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं।

धनु :– मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित होगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में संतुष्ट व तश्प्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मकर :– विभागीय परिवर्तन से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अंदर धैर्य व वाणी में मधुरता लाने का प्रयास करें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागश्त होंगी। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा।

कुंभ :– राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। अच्छे कायरे के लिए प्रांसनीय होंगे। शासन–सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।

मीन :– भावनात्मक समस्याओं पर संबंधों में खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। महत्वपूर्ण कायरें को कल पर न टालें। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

सत्य और साहस जीवन की नाव के दो पतवार, इनका साथ ना छोड़े

यह कहावत एकदम सत्य है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहींस यदि सत्य सच्चाई नहीं होती तो मानव जीवन नहीं होता क्योंकि पहाड़, झरना, नदिया जंगल और प्रकृति द्वारा दिए गए प्रतिशत के रूप में मानव सहित सांसारिक जीव जंतु प्राकृतिक सत्य की उत्पत्ति हैस और यह भी सत्य है कि मनुष्य अपने लालच,स्पश्हा, कामना,कपट के चलते असत्यता झूठ और फरेब का सहारा और वैशाखी लेकर त्वरित लाभ के लिए जीवन के भाव सागर में कूद पड़ता है परंतु सत्य ही अंतिम सत्य है परंतु आज की परिस्थितियों में सच्चाई जीवन के हर पहलू से परे होती जा रही है। आज हम स्वयं दिग्भ्रमित हैं तो आने वाली पीढ़ी को हम क्या नैतिक, संस्कारिक और सांस्कृतिक विरासत दे पाएंगे। आज के इस उत्तर आधुनिक समाज में जहां उपभोक्तावादी संस्कृति की प्रधानता के परिपेक्ष में भौतिक साधनों एवं सुखों के लक्ष्य की प्राप्ति की एकमात्र उपाय रह गई वहां भौतिकवाद तथा शारीरिक सुख की प्राप्ति का प्रचलन पूरे समाज में फैल गया है । इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए झूठ फरेब एवं षड्यंत्र ने अपना जाल बुन रखा हैस प्राचीन काल से हम आध्यात्मिक, संस्कारिक,सांस्कृतिक रूप से बढ़ रहे थे पर विकास की अवधारणा ने एक नया स्वरूप ले लिया है इन परिस्थितियों में समाज के सदस्यों ने झूठ और फरेब का सहारा लेना शुरू कर दिया है। भौतिकवाद सिर चढ़कर बोलने लगा हैस व्यक्तिगत एवं सामाजिक आत्मीय संबंधों के मूल्य का तेजी से क्षरण होने लगा हैस समाज के मूलभूत सिद्धांत तथा मूल्य गायब हो गए हैं। सामाजिक मूल्यों के खत्म होने की प्रक्रिया में सत्य बोलना कि एक मात्र साधन शेष रह गया है, किंतु वर्तमान समय में सच बोलना एक कठिन तप और तपस्या की तरह ही है। महात्मा गांधी के जीवन में भी उनके अध्यात्मिक दर्शन में सत्य अहिंसा मूल अवधारणा रही है उन्होंने इस सत्य को पहचाना और यह आशा प्रकट की कि यदि व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्वर्स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है । सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दास जी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है। नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है। भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनैतिकता की बारीक लकीर हो पहचानने से काफी दूर हो गया है तथा भौतिक विकास के लिए किसी भी साधन को अपनाने से नहीं परहेज करता है। मानव बुद्धि विवेक संपन्न होने के कारण भौतिक सुख सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए हर तरह के उपायों को नए–नए हथकंडे के रूप है उपयोग करने लगा है जिससे समाज मे विसंगतियां पैदा होकर आत्मीय संबंधों की बलि चढ़ गई है। आदिकाल से ऐतिहासिक तौर पर भी मानव की सच्चरित्रता पर सवालिया निशान खड़े होते रहे हैं। समाज ने आपसी संबंधों को संचालित करने के लिए कुछ आदर्श मापदंड का प्रावधान भी रखा है जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सावधान सत्य बोलने का है किंतु मनुष्य अपने सुख साधन बटोरने के लिए सदैव सत्य से परहेज करने लगा जिससे मनुष्य नैतिकता से काफी दूर हो गया एवं सामाजिक मान्यताओं को छिन्न–भिन्न करता आया है। आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मीय संवेदनशील संबंध ताक पर रख दिए गए हैं। नैतिकता सिद्धांतों की परिपाटी नष्ट प्राय होती जा रही है। ऐसे में एक आदर्श समाज की कल्पना बेमानी हो गई है। आज हमें सामाजिक मूल्यों को बचाने आत्मीय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मीयता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है अपनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा एवं भारतीय मूल्य संस्कार संस्कृति धीरे धीरे सनातनी समाज से दूर होते जाएंगे और हम हाथ में हाथ धरे देखते रह जाएंगे। आज नैतिकता केवल दूसरों के लिए उपदेश देने की वस्तु बन कर रह गई है। मनुष्य सामाजिक व्यवस्था का स्वयं निर्माता है किंतु नैसर्गिक रूप से लोभी,आलसी, तथा संग्रहण की प्रवश्त्ति वाला हो चुका है ऐसे में कम परिश्रम में ज्यादा लाभ प्राप्त करने के लिए असत्य फरेब एवं जालसाजी का ही सहारा लेकर अनैतिकता का परचम फैलाने में लगा हुआ है। यह भारतीय परिवेश के लिए कतई शुभ संकेत नहीं है। **–संजीव ठाकुर**

खाई बहुत चौड़ी है

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री को बताया कि सीमा पर की घटनाओं ने द्विपक्षीय समझौतों को कमजोर कर दिया है। जब तक सीमा पर शांति कायम नहीं होती, संबंध सामान्य नहीं हो सकते। मगर चीन के बयान में संकेत दिया गया कि सब कुछ ठीक–ठाक है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू के साथ नई दिल्ली में हुई वार्ता का सार यही है कि आपसी रिश्ते को लेकर दोनों देशों की समझ में भारी अंतर बना हुआ है। ली शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में भाग लेने दिल्ली आए, तो दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों को आमने–सामने बैठ कर आपसी रिश्ते की समीक्षा करने का मौका मिला। बैठक के तुरंत बाद भारत की ओर से एक बयान जारी किया। चीन ने 24 घंटे बाद यानी अगले दिन अपना बयान जारी किया। साझा बयान जारी न होना अपने–आप में असहमति का संकेत होता है। बहरहाल, भारत के बयान में लहजा सख्त रहा। इसके मुताबिक चीनी रक्षा मंत्री को बताया गया कि सीमा पर की घटनाओं ने द्विपक्षीय समझौतों का आधार कमजोर कर दिया है। जब तक सीमा पर शांति कायम नहीं होती, द्विपक्षीय संबंध सामान्य नहीं हो सकते। मगर चीन के बयान में यह संकेत दिया गया कि सब कुछ ठीक–ठाक है।

इसमें भारत को नसीहत दी गई कि वह सीमा पर के विवाद को सही संदर्भ में रखे और इस बीच आपसी रिश्तों को मजबूत करना जारी रखे। कहा जा सकता है कि चीनी पक्ष के इस तरह भारतीय रुख से अप्रभावित रहने का मौका भारत सरकार ने ही दिया है। जून 2020 में प्रधानमंत्री ने एलान कर दिया था कि चीन की तरफ से कोई घुसपैठ नहीं हुई। फिर 2021 के आरंभ में केंद्रीय मंत्री और पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह कह दिया कि चीन ने जितनी बार घुसपैठ की है, उससे ज्यादा ऐसा भारत ने किया है। सितंबर 2021 में मास्को में चीनी विदेश मंत्री के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात हुई, जिसमें जयशंकर उस दस्तावेज पर दस्तखत करने को राजी हो गए, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा की जगह सीमा शब्द का इस्तेमाल किया गया था। जानकारों के मुताबिक इसे चीन ने सीमा विवाद पर 1959 के उसके प्रस्ताव पर भारत की मुहर मान लिया है। भारत सरकार को पहले इन मुद्दों पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। वरना, दोनों देशों के बीच समझ की खाई चौड़ी होती जाएगी।

संगोष्ठी के साथ मनाया गया बस्ती का 158 वां स्थापना दिवस

6 मई 1865 को गोरखपुर से विभाजित होकर हुआ था बस्ती का गठन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बस्ती। शनिवार को बस्ती वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा के संयोजन में बस्ती जनपद का 158 वां स्थापना दिवस संगोष्ठी के साथ मनाया गया। मुख्य वक्ता डा. राम नरेश सिंह मंजुल ने कहा कि सन् 1801 में बस्ती तहसील मुख्यालय बना और फिर 6 मई 1865 को जनपद मुख्यालय बनाया गया। इसके बाद सन् 1988 में उत्तरी हिस्से को काटकर सिद्धार्थनगर जिला बनाया गया जिसे पहले डुमरियागंज नाम से जाना जाता था, इस जिले में बांसी और नौगढ़ भी आते हैं, यहां कपिलवस्तु भी हैं, जहां बुद्ध ने अपने जीवन के शुरुआती समय व्यतीत किये थे, यहां से 10 किलोमीटर पूर्व लुंबिनी में बुद्ध का जन्म हुआ था।

सन् 1997 में पूर्वी हिस्से को काटकर संतकबीरनगर जिला बनाया जिसे खलीलाबाद के नाम से भी जाना जाता है, यहां महात्मा कबीर ने प्राण त्यागे थे। इसके बाद जुलाई 1997 में बस्ती मंडल मुख्यालय बना दिया गया। फिलहाल इस मंडल में बस्ती, संतकबीरनगर और सिद्धार्थनगर जनपद आते हैं। कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि प्राचीन काल में बस्ती को भगवान राम के गुरु वशिष्ठ ऋषि के नाम पर वाशिष्ठी के नाम से जाना जाता रहा। कहा जाता है कि उनका यहां आश्रम था, अंग्रेजों के जमाने में जब यह जिला बना तो निर्जन, वन और झाड़ियों से घिरा था, लोगों के प्रयास से यह धीरे–धीरे बसने योग्य बन गया। कहा कि कभी 'भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने कहा था कि बस्ती को बस्ती कहूं तो काको कहूं उजाड़' आज यही बस्ती निरन्तर विकास की ओर है। कहा कि बस्ती का इतिहास बहुत समृद्ध है और मखौड़ा, छावनी शहीद स्थली के साथ ही अनेक पौराणिक स्थल हैं जो इसकी पहचान है। समिति के अध्यक्ष बी.एन. शुक्ल के बस्ती के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला। बस्ती जनपद के 158 वां स्थापना दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में सत्येन्द्रनाथ मतवाला, डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' कृष्णदेव मिश्र, पं. चन्द्रबली मिश्र, साधू शरण शुक्ल, ओम प्रकाशनाथ मिश्र, बी.के. मिश्र, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, पेशकार मिश्र, डा. राजेन्द्र सिंह, डा. अजीत श्रीवास्तव, डा. पंकज कुमार सोनी, अनुरोध कुमार श्रीवास्तव, दीपक सिंह आदि ने बस्ती के इतिहास पर रोशनी डाली। कवियों ने रचना के माध्यम से बस्ती की माटी पर काव्य पाठ किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, चन्द्रमोहनलाल श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह, अजमत अली सिद्दीकी, लालजी पाण्डेय, कृष्णचन्द्र पाण्डेय, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, दीनानाथ यादव, सामईन फारूकी, नेबूलाल चौधरी, श्रीकान्त तिवारी, गणेश प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

दरोगा की नौकरी के नाम पर शातिर ने 8.70 लाख रुपए ठगे

कानपुर। कानपुर में दरोगा की नौकरी के नाम पर शातिर ठग ने 8.70 लाख रुपए ठग लिया। विसायकपुर इंदिरा नगर निवासी ठगी के शिकार युवक ने कल्याणपुर थाने में ठग के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि शातिर ठग ने जाली ज्वाइनिंग लेटर और वर्दी भी दी थी। लेकिन पड़ताल करने पर ठगी का खुलासा हुआ। इसके बाद उन्होंने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

विसायकपुर इंदिरा नगर निवासी आकाश भदौरिया ने कल्याणपुर थाने में पुलिस में नौकरी के नाम पर ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आकाश के मुताबिक दरोगा की नौकरी के नाम पर उनसे भाभा नगर सनिगवां रामादेवी निवासी ऋषभ श्रीवास्तव ने 8.70 लाख रुपए लिए थे। आकाश ने बताया कि 6 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किया था। जबकि 2.70 लाख रुपए कैश दिया था। रुपए देने के महीनों बाद भी नौकरी नहीं लगने पर दबाव बनाया कि तो फर्जी ज्वाइनिंग लेटर और वर्दी थमा दी। कहा कि काम हो गया है। जल्द ही तुम्हारी ज्वाइनिंग हो जाएगी। ज्वाइनिंग लेटर मिलने के बाद पुलिस विभाग में पड़ताल की तो पता चला कि ज्वाइनिंग लेटर फर्जी है।

अलग–अलग मार्ग दुर्घटनाओं में 6 लोगों की दर्दनाक मौत, 6 गम्भीर

घायलों की हालत चिंताजनक, कई जिला अस्पताल रेफर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

सीतापुर। जनपद में अलग–अलग क्षेत्रों में हुई मार्ग दुर्घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गयी। वहीं आधा दर्जन से अधिक लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने सभी घायलों को जिला चिकित्सालय उपचार के लिए भेज दिया है। रेउसा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत जगदीश 45 पुत्र प्यारे लाल निवासी मुसैदाबाद थाना सदरपुर मोटरसाइकिल पर सवार होकर अपने लड़के की ससुराल रेउसा थाना क्षेत्र के जमौली गांव शादी में जा रहे थे। करन 26 पुत्र नारायन निवासी कठूरा थाना तम्बौर अपने मौसा राकेश 45 पुत्र जगतनाथ किशनपुरवा मजरा मुहारी थाना सकरन की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। घायलों को 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा ले जाया गया। जहां पर डॉक्टर सुनील यादव ने जगदीश को मृत घोषित कर दिया। वहीं करन व उसका मौसा राकेश को गंभीर रूप घायल देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। रात में ही जिला अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा

दोनों घायलों को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। घायलों के परिजनों लखनऊ के एक निजी क्लीनिक पर ले गये। जहां घायलों का उपचार किया जा रहा है। दोनों घायलों की स्थिति सामान्य बनी हुई है। वहीं रामकोट थाना क्षेत्र के अन्तर्गत इलाके के हरदोई सीतापुर मार्ग पर लोधौरा गाँव में एक युवक की ट्रैक्टर के नीचे दब जाने से दर्दनाक मौत हो गई। कोतवाली देहात के धर्मशाला गाँव निवासी नागेंद्र गन्ना तौलाने ट्रैक्टर ट्राली से जवाहरपुर चीनी मिल जा रहा था। रास्ते में हरदोई सीतापुर मार्ग पर सामने से आ रहे वाहन को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खड़े लोधौरा गांव निवासी विशाल 25 के ऊपर चढ़ गया। जिससे विशाल की दर्दनाक मौत हो गई। ट्रैक्टर चालक को वाहन सहित रामकोट पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। वहीं दूसरा हादसा रामकोट के ही मधवापुर मार्ग पर हुआ। जहां पिसावां थाना क्षेत्र से बारात से वापस खैराबाद टेपों सवार लोगों की अज्ञात वाहन से टक्कर हो गई। जिससे टेंपो चालक शिवा 22 निवासी अकबरगंज खैराबाद एवं संतराम 50 निवासी दामोदरपुर थाना रामकोट की मौके पर मौत हो गई, एवं तीन लोग दीपू, अंकित एवं राजेश निवासी खैराबाद गंभीर रूप से घायल हो गये।

संक्षिप्त खबरे

पुरानी रंजिश में लाठी डंडा एवं चाकू से हमला, पिता–पुत्र घायल

हरपालपुर,हरदोई। थाना क्षेत्र के मोलनपुर गांव में पुरानी रंजिश में गांव के ही चार लोगों ने पिता–पुत्र पर लाठी डंडा एवं चाकू से हमला बोल दिया। जिससे दोनों घायल हो गये। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र के मोलनपुर गांव निवासी शिवकुमार 38 ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह अपने पिता रामप्रकाश 60 के साथ दरवाजे पर मौजूद थे। तभी गांव के रामसागर, राधेश्याम, रूपकिशोर व आशीष अपने हाथों में लाठी डंडा एवं चाकू लेकर आ गये। आरोपियों ने घर में घुसकर लाठी डंडा एवं चाकू से हमला बोल दिया। जिससे दोनों घायल हो गए। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर घायलों को डॉक्टरी परीक्षण के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

शराबी पति ने गर्भवती पत्नी की पीटकर की हत्या,दो वर्ष पहले हुई थी शादी

हरदोई। जिले के माधौगंज इलाके में शराबी पति ने गर्भवती पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। शराब के नशे में हत्या की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया। मायके पक्ष ने देर रात हुए विवाद के बाद पति पर हत्या करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस शव कब्जे में लेकर जांच में जुटी है। बताया गया कि माधौगंज थाना क्षेत्र के शाहपुर वासुदेव निवासी हर्षित का दो वर्ष पूर्व सीतापुर जिले की सरिता से विवाह हुआ था। देर रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद नशे में मारपीट से संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत हो गई। मायके पक्ष का आरोप है कि हर्षित ने कहासुनी के बाद सरिता से मारपीट शुरू कर दी। लाठी–डंडे से पिटाई में सरिता की दर्दनाक मौत हो गई। गांव के चौकीदार ने पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के परिजनों ने बताया कि दहेज को लेकर ससुरालीजन आए दिन प्रताड़ित करते थे। महिला की मौत के बाद पुलिस मामले के जांच में जुटी है। बताया गया महिला की दो वर्ष पूर्व शादी हुई थी और तीन माह की गर्भवती थी। एएसपी पूर्वी नृपेंद्र कुमार ने बताया कि माधौगंज थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। जिसमें मायके पक्ष ने शराब के नशे में पति पर पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर मिलने के बाद मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डीसीएम ने रोडवेज बस को मारी टक्कर, दो घायल

लालगंज,रायबरेली(आरएनएस) ।शनिवार दोपहर 1 बजे के करीब लालगंज नगर के बाईपास तिराहे पर डीसीएम ट्रक ने सवारियों से भरी रोडवेज बस को टक्कर मार दी। डीसीएम और बस की भिड़ंत होते ही बस में बैठी सवारियां एक दूसरे पर जा गिरी, हालांकि सिर्फ रसूलपुर निवासी पति–पत्नी गोलू तिवारी और अन्नपूर्णा तिवारी ही घायल हुए हैं । वास्तव में तिराहा होने के चलते बस की रफ्तार कम थी जिससे एक बड़ा हादसा होते–होते बच गया। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की रायबरेली डिपो की बस जनपद मुख्यालय से भोजपुर जा रही थी। बस के चालक राकेस बहादुर ने बताया कि वह बस लेकर रायबरेली से भोजपुर के लिए निकला था ।बस में 51 सवारी बैठी थी।उसने बाईपास तिराहे पर कुछ सवारी उतारी और जैसे ही बस को आगे बढ़ाया ।अटल चौक गांधी चौराहे की तरफ से आ रहे डीसीएम ट्रक ने बस में टक्कर मार दी जिससे बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बस में बैठी दो सवारी भी घायल हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची लालगंज पुलिस ने जहां घायलों को अस्पताल पहुंचाया वहीं डीसीएम ट्रक का पता लगाने के लिए डलमऊ की ओर पुलिस टीम भी रवाना किया।

रास्ते में रोककर युवक को पीटा

रायबरेली। जगतपुर कोतवाली क्षेत्र के बसवई मजरे चूली गांव निवासी एक युवक देर रात घर वापस आ रहा था तभी गांव के बाहर गांव निवासी 3 लोगों ने युवक को घेरकर जमकर पीटा और जान से मारने का प्रयास किया तथा मोबाइल भी छीन ले गए पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। बृहस्पतिवार की रात बसवई गांव निवासी बिपिन कुमार चूली गए हुए थे। और देर रात वापस लौट रहे थे। अभी गांव के बाहर रास्ते में रोककर गांव निवासी 3 लोगों ने युवक को जमकर मारा पीटा और गमछे से गला कसकर जान से मारने का प्रयास किया तथा पीड़ित किसी तरीके जान बचाकर भाग निकला और पीड़ित मोबाइल छीन ले गए पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर गांव निवासी तीन लोगों को नामजद किया हैध। जब इस बाबत जगतपुर कोतवाल जगदीश यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मारपीट की घटना हुई है। मोबाइल छीनने की बात गलत है।

जमीन पर कब्जा करने का आरोप

रायबरेली। जगतपुर कोतवाली क्षेत्र के अकोहरी गांव निवासिनी एक महिला ने जगतपुर कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी जमीन पर गांव निवासी लोग जबरन मिट्टी डालकर कब्जा कर रहे हैं। शुक्रवार को अकहोरी गांव निवासनी महिला नीलू ने जगतपुर कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी जमीन पर गांव निवासी दो लोगों ने जबरन ट्रैक्टर ट्राली से मिट्टी डालने लगे और कब्जा करने लगे जब पीड़िता ने विरोध किया तो उसके साथ गाली गलौज की और जान से मारने की धमकी दी पीड़िता ने गांव निवासी 2 लोगों को नामजद करते हुए कार्यवाही की मांग की है। जगतपुर कोतवाल जगदीश यादव से बात की गई तो उन्होंने तहरीर मिली है मामले की जांच कराई जाएगी।

सपा प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार करने कर्नाटक पहुंचे अखिलेश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव कर्नाटक प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार के लिए तीन दिवसीय दौरे पर हैं। अखिलेश यादव 5 मई से 7 मई तक कर्नाटक विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों के लिए प्रचार कर रहे हैं। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 10 मई को वोट डाले जाएगें। कर्नाटक विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 14 प्रत्याशी उतारे है। समाजवादी पार्टी कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष एन मनजप्पा विधान सभा क्षेत्र चित्रदुर्ग, एल गिरीश विधान सभा क्षेत्र चेन्ना पटना,नागराज के एस विधान सभा क्षेत्र यशवंतपुर, थम्मप्पा सी विधान सभा क्षेत्र कोलार, आर वेणुगोपाल विधान सभा क्षेत्र बेल्लारी सिटी, पारश्रेरम विनायक विधान सभा क्षेत्र सोराभा, रूद्र गौडा डी पाटिल विधान सभा क्षेत्र अफजलपुर, ए वी नारायन

विधान सभा क्षेत्र डोड्डा बल्लापुर, सम्पूर्ण गौडा विधान सभा क्षेत्र बातारायनपुरा, मोनी सैफुल्ला विधान सभा क्षेत्र सर्वज्ञा नगर, जयप्पा पीएस विधान सभा क्षेत्र होललकेरे, स्वामी जी विधान सभा क्षेत्र जगलुर, अफसर खान विधान सभा क्षेत्र पदमनाभ नगर, मडे गौडा विधान सभा क्षेत्र मगाडी से प्रत्याशी है।

समाजवादी पार्टी इन विधानसभा क्षेत्रों में मजबूती से चुनाव लड़ रही है। चुनावी दौरे के पहले दिन श्री अखिलेश यादव ने 5 मई को समाजवादी पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में गुलबर्गा और अफजलपुर विधानसभा क्षेत्रों में सभा कर जिताने की अपील की। चुनावी दौरे के दूसरे दिन श्री अखिलेश यादव ने विधान सभा क्षेत्रों में रोड शो के साथ पार्टी के नेताओं के साथ बैठक की। अखिलेश यादव ने कर्नाटक की जनता से बदलाव की अपील करते हुए कहा कि भाजपा की गलत नीतियों और भ्रष्टाचार ने प्रदेश और देश को तबाह कर दिया है। सत्ता लोलुप भाजपा की गलत नीतियों से किसान, नौजवान, व्यापारी व हर वर्ग बर्बाद हो गया है। समाजवादी पार्टी कर्नाटक में विकास की राजनीति को आगे लाना चाहती है।

दबंगों ने मार्केट में घुसकर किया कब्जा, लाखों का माल लूटने का लगाया आरोप

कानपुर। जर्नलिस्ट क्लब में शनिवार को प्रेस वार्ता करते हुए हंसपुरम आवास विकास निवासी रवि गुप्ता ने बताया कि इलाहाबाद बैंक से 2017 में 75 लाख का लोन लिया था जो कि अब इंडियन बैंक में मर्ज हो गया है। 3 साल किस्त अदा करने के बाद 2020 में कोरोना काल आ जाने के कारण किस्त अदा नहीं कर पाया। जिसके कारण बैंक द्वारा उनके ऊपर 13 सरफेशी एक्ट के तहत सीएमएम की कोर्ट में शिकायत दाखिल कर दिया। 18 मार्च 2023 को न्यायालय ने इण्डियन बैंक के पक्ष में भवन कब्जा का आदेश पारित कर दिया। जिसके विरूद्ध पीड़ित ने डीआरटी इलाहाबाद में याचिका दाखिल की। जिसमें इण्डियन बैंक को पक्षकार बनाया गया लेकिन इण्डियन बैंक जानबूझकर डीआरटी कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ।

यूक्रेन में भीषण युद्ध के बीच पीएम मोदी ने भारतीय छात्रों की वतन वापसी कराई : स्वतंत्र देव

कानपुर। जलशक्ति मंत्री और पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह शनिवार को कानपुर पहुंचे। सुबह सबसे पहले उन्होंने परमट मंदिर में भगवान शिव के दर्शन किए। उसके बाद सिंधी धर्मशाला में सिंधी समाज के वरिष्ठ जनों को संबोधित करते हुए जलशक्ति मंत्री ने कहा कि यह सिंधी समाज भाजपा का परिवार है। इसलिए इस निकाय चुनाव में इस परिवार की जिम्मेदारी ज्यादा है। आपने देखा कि यूक्रेन में जिस प्रकार से संकट खड़ा हुआ देश के हजारों युवा छात्र वहां पर फंस गए यह मोदी जी की आपके द्वारा दी गयी ताकत है कि उन्होंने किस तरह से उन बच्चों को अपने वतन वापसी कराई। आज उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ ने गुंडों अपराधियों पर ऐसी लगाम लगाई है कि आम जनमानस से लेकर व्यापारी तक एवं हमारी बेटियां सुरक्षित हैं। और कभी भी किसी वक्त शहर में निर्भीक होकर घूम सकती हैं। हम राष्ट्र की मुख्यधारा से चलने वाले हैं और आप सभी मोदी योगी की ताकत है।

सिंधी समाज के साथ चाय बैठक पर कार्यक्रम के संयोजक आनंद राजपाल,विधायक सुरेंद्र मैथानी, पार्षद प्रत्याशी राघवेंद्र मिश्र,हरीश मतरेजा,चंद्र कुमार गंगवानी (लालू),इंदरजीत आहूजा,चंद्रपाल खिलवानी,रवि बदलानी,हीरालाल खत्री,रामदास मखीजा,प्रहलादराय पमनानी ,सरदार जसवंत सिंह,डॉक्टर आरती लालचंदानी,घनश्याम छाबड़ा,आदि लोग उपस्थित थे।

बाघ की आमद से इलाके में दहशत

गन्ने की छिलाई कर रहे किसानों में बाघ के हमले से बाल बाल बचा युवक

प्रयाग दर्पण संवाददाता

महोली (सीतापुर)। तहसील क्षेत्र की कठिघरा ग्राम सभा के मजरा श्यामजीरा में शनिवार की सुबह बाघ ने एक गोवंश का शिकार कर फिर से अपनी आमद का एहसास कराया है। इस दौरान बाघ ने एक गोवंश का शिकार किया है। गन्ने के खेत में बैठे बाघ से इलाके में दहशत का माहौल है। तमाम ग्रामीणों के जमावड़े के बीच वन विभाग के द्वारा ड्रोन कैमरे के जरिए बाघ की पुष्टि की गई है। शनिवार की सुबह श्यामजीरा निवासी रमेश पुत्र इन्द्रपाल वर्मा सुबह अपने गन्ने की छिलाई करने दो दर्जन मजदूरों के साथ गये हुए थे। जैसे ही रमेश ने गन्ने की मूरी काटी कि गन्ने में बैठे बाघ ने उन पर हमला कर दिया। बाघ के हमले में रमेश बाल बाल बचे और अचेत होकर खेत में गिर गये। मजदूरों के शोर मचाने पर बाघ कुछ दूर पर ही एक गन्ने के खेत में जा बैठा। ग्रामीणों द्वारा वन विभाग को बाघ के आने की सूचना दी गई। खबर पाकर

मौके पर पहुंचे वनविभाग व पुलिस के जिम्मेदारों ने गन्ने के खेत को घेर लिया। सैकड़ों ग्रामीण मौके पर मौजूद हैं,ग्रामीणों की मानें तो करीब 3 वर्ष से इस क्षेत्र में रह रहा है। खबर पाकर मौके पर प्रभागीय निदेशक वन ब्रजमोहन शुक्ला व एसडीओ आरएन गुप्ता उपजिलाधिकारी अभिनव यादव इ अनूप शुक्ला ने मौके पर पहुचकर अधीनस्थों को रेस्क्यू करने के जरूरी निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक पूर्व में भुड़िया गांव के पूरब खाली पड़े खेत में बाघ के पगचिह्न में मिले थे और वन विभाग की टीम ने तेंदुए की तलाश में 3 दिन तक कांबिंग की थी। पर उस दौरान टीम को कोई सफलता हाथ नहीं लगी । बीते साल दिसंबर में मंगलवार को ब्रह्मावली गांव के उत्तर लल्ता बाग के समीप उमेश मिश्रा के गन्ने के खेत में आधा खाया गोवंश पड़ा मिला था और वही कृष्ण बिहारी बाजपेई के सरसों के खेत में छत बिछत बछड़े का खाया हुआ अवशेष पाया गया था। ग्रामीणों की सूचना पर दो गोवंशो के शिकार के बाद वन विभाग फिर से हरकत में आया था।

अज्ञात चोरों ने चुराये लाखों के जेवर, पीड़ित ने प्रभारी को दिया शिकायती पत्र

मिश्रित (सीतापुर)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अलमापुर निवासी मो. हाशिम अली पुत्र मासूम अली ने प्रभारी निरीक्षक को एक शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि बीती रात अज्ञात चोरों ने उसके घर को निशाना बनाकर घर के अंदर घुस आये। पीड़ित दूसरे कमरे में सोया हुआ था। कमरे का ताला तोड़कर अज्ञात चोर अंदर घुसे आए। लाखों की चोरी करके चम्पत हो गये व भारी निरीक्षक से बात की गई तो बताया है। मांमले में अज्ञात चोरों के बिरुध्द कार्यवाही की जा रही है। आहट की आवाज पर पीड़ित की पत्नी निकली परंतु बाहर से कमरे का दरवाजा बंद था। जिससे उसकी पुत्री ने शोर किया। अज्ञात चोरों ने उसका भी बाहर से दरवाजा बंद कर दिया था। अज्ञात चोरों ने 3 जोड़ी पायल, गले की इंगलिश चांदी की। दो चिमटी, दो तोड़े, दो झुमकी, दो सोने की अंगूठी व चांदी के छल्ले सहित सोने का हार, सोने का झाला, एक नथुनी दो अंगूठी, सोने की दो सोने की टप और 15000 की नगदी चुराकर चंपत हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने पहले दिन पांच स्वर्ण पदक के साथ कायम किया अपना दबदबा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने प्रथम नेशनल कोबुडो मार्शल आर्ट चौंपियनशिप–2023 के पहले दिन शानदार प्रदर्शन के साथ 5 स्वर्ण पदक जीतते हुए अपना दबदबा कायम किया। केडी सिंह बाबू स्टेडियम बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चौंपियनशिप में उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने भी तीन स्वर्ण पदक जीते। चौंपियनशिप का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय व विशिष्ट अतिथि रजत डिग्री कॉलेज के चेयरमैन डा.आरजे सिंह चौहान व उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव रजत आदित्य दीक्षित ने किया। मुख्य अतिथि डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने चौंपियनशिप में प्रतिभाग करने आये खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज खेल में प्रतिभाओं का बहुमुखी विकास हो रहा है और खिलाड़ी आर्थिक रुप से भी मजबूत हो रहे हैं। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कोबुडो मार्शल आर्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन आनंद किशोर पाण्डेय ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए खेल भावना के साथ आगे बढ़ने की सीख दी। इस अवसर पर महासचिव व आयोजन सचिव शोभित पाण्डेय, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव, मुन्ना अंसारी, कुमार नंदजी व अन्य मौजूद थे। पहले दिन हुए मुकाबलों में बालक काता (7 साल) में उत्तर प्रदेश के सूर्यांश विक्रम सिंह ने स्वर्ण व उत्तर प्रदेश के राघव गुप्ता ने रजत पदक जीता। बालक काता (10 साल) में उत्तर प्रदेश के अरमान शुक्ला ने स्वर्ण व विराट श्रीवास्तव ने रजत पदक जीता। बालक काता (13 साल) में उत्तराखंड के भार्गव सिंह नितवाल ने स्वर्ण व उत्तर प्रदेश के आदर्श प्रजापति ने रजत पदक जीता। बालक काता (12 साल) में उत्तर प्रदेश के नितेंद्र कुमार ने स्वर्ण व आकाश कश्यप ने रजत पदक जीता। बालक काता (8 साल) में उत्तर प्रदेश के समृद्ध गौतम ने स्वर्ण व अग्रिम कटियार ने रजत पदक जीता। बालक काता (7 साल) में उत्तर प्रदेश के अभिषेक श्रीवास्तव ने स्वर्ण पदक जीता। बालक काता (14 साल) में उत्तराखंड के अस्तित्व यदुवंशी व बालिका काता (14 साल) में उत्तराखंड की आर्यही कुमारी ने स्वर्ण पदक जीते।

अजित सिंह हमेशा किसानों व पिछड़ों की आशाओं का केन्द्र बिन्दु रहे–दुबे

रालोद मुख्यालय पर मनाई चौधरी अजित सिंह की पुण्यतिथि

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मुख्यालय में किसानों के प्रेरणास्त्रोत स्व.चौधरी अजित सिंह की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गयी। इस अवसर पर रालोद नेताओं ने चौधरी अजित सिंह के चित्र पर मार्ल्यापण कर पुष्प अर्पित किया। मार्ल्यापण के पश्चात राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय की अध्यक्षता में एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। जिसमें चौधरी अजित सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। गोष्ठी का संचालन व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने किया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि चौधरी अजित सिंह ने आजीवन किसान हितों के लिए संघर्ष किया और उनकी एक आवाज से किसान संगठनों द्वारा अपने हक के लिए किए जा रहे आन्दोलनों को नई ऊर्जा मिलती थी। चौधरी अजित सिंह देश के विकास को गांव और किसान के विकास से जोड़ कर देखते थे। इसी चिंतन के चलते वह गांव और किसान का शोषण और उसके साथ होने वाले किसी अन्याय को सहन नहीं कर पाते थे। मंत्री पद पर रहते हुए भी चौधरी अजित सिंह ने किसान हितों के मुद्दों पर कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने किसान मसीहा स्व.चौधरी चरण सिंह के द्वारा जलाई गयी मशाल को अविरल जलाये रखा और वर्तमान उसी मशाल को आगे ले चलने का कार्य राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह कर रहे हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने कहा कि मुद्दा चाहे किसानों के शोषण का हो या गरीब जनता के साथ अन्याय का या छोटे राज्यों के निर्माण का रहा हो चौधरी अजित सिंह इन सब के लिए संगठन पर बल देते थे।

वह विशालकाय उत्तर प्रदेश को हरित प्रदेश, पूर्वांचल, बुंदेलखंड और मध्य उत्तर प्रदेश में विभाजित करने के पक्षधर थे। वह हमेशा किसानों और पिछड़ों की आशाओं का केन्द्र बिन्दु बने रहे। समाज के कमजोर वर्गों पर उनका विशेष ध्यान रहता था और पार्टी के छोटे–छोटे कार्यकर्ता की आवाज को सुनकर उनकी समस्याओं का निराकरण करते थे।

उतरपारा विधुत उपकेंद्र के कर्मचरियों से उपभोक्ता परेशान

रायबरेली। राही क्षेत्र के रमसगरा मजरे मधुपुरी गांव में बिजली विभाग के कर्मचारियों के आतंक से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। शुक्रवार की दोपहर उत्तरपारा विद्युत उपकेंद्र से कुछ लोग आए और कनेक्शन काटना शुरू कर दिया। उपभोक्ताओं ने कहा कि बिल जमा है। उसके बाद भी कनेक्शन काट दिया। जिसके चलते पीड़िता रेनू को अपने बच्चों के साथ भूखे ही पूरी रात अंधेरे में काटनी पड़ी। रामसगरा के लोगों ने बताया कि आए दिन बिजली के बिल के नाम पर उतरपारा विद्युत उपकेंद्र में कार्यरत संविदा कर्मचारी बिल जमा करने के नाम पर लोगों को आए दिन परेशान करते रहते हैं। बिल जमा होने के बाद भी जबरन कनेक्शन काट देते हैं। उपभोक्ता रेनू ने बताया कि बिल मिलते ही भुगतान कर दिया जाता है। लोगों ने बताया कि मीटर रिडिंग लेने चार से पांच महिने में आते है। जिसके चलतें बिल अधिक हो जाता है। तत्काल बिल का भुगतान न होने पर कनेक्शन काट देते हैं।

11 ग्रामीण व 8 शहरी अस्पतालों में रेबीज इंजेक्शन लगाने की सुविधा उपलब्ध

लखनऊ। राजधानी में जिस तरह से स्ट्रीट डॉग का दायरा बढ़ रहा है इससे सड़कों पर आने जाने वालों के लिए जान का खतरा बन गये हैं। अभी हाल ही में नगर निगम द्वारा स्ट्रीट डॉग को बधिया करने के लिए अभियान चलाया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में स्ट्रीट डॉग को पकड़कर उन्हें बधिया करने के बाद उसी स्थान पर छोड़ दिया गया। फिर भी इनकी जनसंख्या लगातार बढ़ती ही गयी आज नतीजा यह हो गया कि राहगीरों के लिए मुसीबत बन गये है जिससे स्ट्रीट डॉग सड़कों दौड़ा–दौड़ा कर काटने का प्रयास करते है जिसमें अधिकांश लोग अपनी गाड़ी की ओवर स्पीड करके अपने को बचाने प्रयास करते है ऐसी स्थिति वाहन चालक दुर्घटना शिकार हो जाते हैं। इस पर नगर वासियों पर बहुत सारे सवाल भी उठाये कि स्ट्रीट डॉग को बधिया किया गया फिर भी सड़कों पर स्ट्रीट डॉग की जनसंख्या कम नही हो रही है। वहीं स्ट्रीट डॉग की संख्या कम करने के लिए नगर निगम ने करोड़ों रूपये भी खर्च किए और स्थिति जस की तस बनी हुई है। ऐसे स्थिति में रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए यह सुविधा स्वास्थ्य विभाग द्वारा कहां पर दी जा रही है जानें कुत्ता काटने के उपरांत रेबीज का इंजेक्शन लगवाने के बारे में शहरी व ग्रामीण संयुक्त चिकित्सालयों में लोगों को रेबीज के इंजेक्शन लगाने की सुविधा प्रदान की जा रही है। शनिवार को जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी ने बताया कि जिले में रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए टीबी अस्पताल ठाकुरगंज ,महानगर के भाऊराव देवरस,हजरतगंज के डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित 8 नगरीय 11ग्रामीण संयुक्त चिकित्सालयों में रेबीज के इंजेक्शन लगाये जाते है और इसके अलावा केजीएमयू,एसजीपीजीआई,डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में यह सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बलरामपुर अस्पताल सहित 7 जिला अस्पतालों में यह सुविधा उपलब्ध है। जिसमें महिला अस्पताल को छोड़कर बाकी इन सभी सरकारी अस्पतालों में रेबीज के इंजेक्शन लगाने की सुविधा लगातार प्रदान की जाती है।

माफिया के कब्जे से छुड़ाई गई भूमि पर गरीबों के आशियाने बनकर तैयार

सीएम की जनसभा के बाद पीडीए ने तेज की फिनिशिंग की रफ्तार

प्रयागराज। यूपी में माफियाओं के कब्जे से खाली कराई गई जमीन पर गरीबों के लिए आशियाने बनाने का यूपी के सीएम योगी का ड्रीम प्रोजेक्ट अब धरातल पर उतर आया है पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रयागराज में इसकी बुनियाद स्वयं सीएम योगी आदित्यनाथ ने रखी थी। 2 मई को शहर के लूकरगंज में चुनावी जनसभा में मंच से सीएम के संकेत के बाद बनकर तैयार हो चुके इन आवासों में फिनिशिंग का कार्य तेज हो गया है। माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ देश भर में सुशासन का मॉडल बन गए हैं। जिस उत्तर प्रदेश में पिछली सरकारों के शासन काल में आम जनता और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के मामलों की बाढ़ आ गई थी उसी सूबे में योगी सरकार के समय माफियाओं की अवैध जमीन पर जमकर बुलडोजर की कार्यवाही हुई। योगी सरकार ने प्रयागराज के लूकरगंज में माफिया अतीक अहमद के अवैध कब्जे वाली भूमि को कब्जा मुक्त करा कर गरीबों के लिए आशियाने बनाने के जिस पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी उसका निर्माण पूरा हो चुका है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के सचिव अजीत कुमार सिंह के मुताबिक शहर के लूकरगंज में माफिया अतीक अहमद के कब्जे से खाली कराई गई 1731 वर्ग मीटर जमीन पर गरीबों के लिए 76 फ्लैट बनकर तैयार हो गए हैं। इनका आबंटन जून माह से गरीबों के लिए शुरू किया जाएगा।

458.88 लाख की लागत से तैयार हुए हैं सर्व सुविधा सम्पन्न ग्रीन फ्लैट्स

प्रयागराज। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने 26 दिसम्बर 2021 को जिस दिन माफिया अतीक अहमद की अवैध कब्जे से खाली कराई गई जमीन पर गरीबों के लिए आवास बनाने का भूमि पूजन किया उसी दिन यूपी की सियासत में एक नया इतिहास बन गया। यह पहला अवसर है जब किसी माफिया की जमीन पर किसी सीएम ने गरीबों के लिए आवास बनाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत 458.88 लाख की लागत से यहाँ 76 ग्रीन फ्लैट्स बनकर तैयार हैं। इसमें एक फ्लैट की लागत 6 लाख आ रही है। इसमें से डेढ़ लाख का भारत सरकार अनुदान देगी, जबकि एक लाख का अनुदान राज्य सरकार की ओर से दिया गया है। शेष 3.50 लाख योजना में चयनित लाभार्थियों को देना होगा।

सीएम योगी खुद आ सकते हैं गरीबों को फ्लैट्स की चाबी सौपने

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2 मई को नगर निकाय चुनाव में जनसभा करने प्रयागराज आये थे। शहर के लूकरगंज में आयोजित अपनी इस जनसभा में उन्होंने प्रदेश सरकार की माफियाओं के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति का जिक्र करते हुए संकेत दिया था कि चुनाव के बाद अतीक अहमद के अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई इस जमीन पर तैयार हुए गरीबों के आवासों का वितरण अगले माह शुरू हो जाएगा। सीएम की जनसभा से मिले इन संकेतों को प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने इन फ्लैट्स की फिनिशिंग का कार्य तेज कर दिया है। पीडीए के सचिव अजीत कुमार सिंह बताते हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत यहां 1731 वर्ग मीटर में तैयार 76 फ्लैट्स के लिए 6071 लोगों ने आवेदन किया था। इन सभी आवेदनों की जांच की जिम्मेदारी सोडा को सौंपी गई थी। सूडा ने 903 लोगों को इसका पात्र मानते हुए इसकी अंतिम सूची पीडीए को दे दी है। जांच के बाद इसी मई के महीने में आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

स्वयं के बुने जाल में फंसा व्यापारी पुत्र, भेजा गया जेल

प्रतापगढ़। प्रेमिका से शादी की राह में भाई के रोड़ा बनने पर व्यापारी के बेटे ने उसे फंसाने के लिए खुद को गोली मार ली। मामले का खुलासा होने पर पुलिस ने व्यापारी के बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। लालगंज कस्बा निवासी कपड़ा कारोबारी श्रीकांत कौशल के बेटे उत्सव उर्फ गोलू कौशल को ननिहाल भटनी गांव जाते समय चार अप्रैल की शाम विकास नगर के पास गोली लगी थी। पेट में लगी गोली व मौके से बरामद अवैध पिस्टल के बाद से ही पुलिस ने घटना को संदिग्ध बताया था। घटना के बाद व्यापारियों में व्यापक आक्रोश था और जमकर बवाल भी हुआ था। घायल की मां की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। प्रेमिका के भाइयों पर साजिश का आरोप जांच में गलत साबित हुआ। आरोपितों से पूछताछ के बाद पुलिस ने प्रेमिका व घायल कारोबारी के बेटे से भी पूछताछ की। पुलिस ने वह मोबाइल भी बरामद कर लिया, जिससे प्रेमिका की अश्लील फोटो वॉयरल हुई थी। डेढ़ महीने तक चली जांच के बाद पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया।

इक तरफा प्यार में लिखी पटकथा हुई बेनकाब, सलाखों के पीछे आरोपी....

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रतापगढ़। इक तरफा मुहब्बत की चाहत ने आखिर सिरफिरे को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। खुद पर अवैध असलहे से फायर कर वह लड़की के परिजनों को जबरिया अपने साथ लड़की की शादी का दबाव बनाने का ताना बाना तो बुना किन्तु पुलिस की जांच के साथ गोली लगने के फोरेंसिक तहकीकात में आरोपी अपने ही मकड़जाल में फंस गया। यहां यह भी चरितार्थ हुआ कि जुर्म करने वाला अपने पीछे कुछ न कुछ साक्ष्य स्वयं छोड़ देता है। प्यार और मुहब्बत की जंग में सबकुछ सही सींचने वाला आरोपी युवक इक तरफा प्यार में इस कदर अंधा हो गया कि वह अपनी भी जान को हथेली पर रखकर कानून को चकमा देने की हर बाजी अंजाम देने लगा। खाकी तो खाकी ...... जांच की पैनी नजर ने शनिवार को आरोपी युवक को बनाए गए तिलिस्म को आखिर तार तार करने में सफलता हासिल ही कर ली। लालगंज कोतवाली पुलिस ने शनिवार की सुबह आरोपी को लालगंज बाजार के हनुमान मंदिर के समीप से धर दबोचा। लालगंज बाजार के श्रीकान्त कौशल का पुत्र उत्कर्ष कौशल ने बीती चार अप्रैल को मामा के घर जाने के बहाने कोतवाली के जेंवई के नजदीक विकास नगर के सूनसान इलाके में अवैध पिस्टल से रुमाल हाथ पर रखकर पेट पर गोली का निशाना साधा। शातिर उत्कर्ष ने लड़की पर दबाव बनाने के लिए गोली चलाने में भी पैंतरेबाजी की और उसने अपने पेट को खींच कर इस तरह गोली मारी कि गोली पेट पर निशान लगाते उस पार चली गयी। आरोपी ने इससे पहले भी एक और फरेब रचा।

लड़की को पूरी तरह से मानसिक दबाव में लेने के लिए उसने उसपर मनोवैज्ञानिक प्रताड़ना के चलते उसके कुछ चौट को इडिट कर अपने ही मोबाइल से वायरल कर दिया। अश्लील चौट वाइरल होने से लड़की के साथ उसके परिवार जन भी चकित रह गए। आरोपी ने अपने मोबाइल फोन को घटना स्थल के समीप एक झाड़ी में छिपा दिया। पिस्टल फेंक कर वह सड़क पर राहगीरों के आने जाने का इंतजार करने लगा। इसके बाद कुछ लोगों ने उसे जब वहां गोली से घायल देखा तो घायल के परिजनों को सूचना हुई। परिजन पहुंचे और घायल युवक को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर ले आए। यहां ट्रामा सेंटर पर पुलिस पहुंचती कि इसके पहले ही एक स्थानीय छुटभइये सफेदपोश ने उसे अपनी गाड़ी पर लादा और स्थिति गंभीर बताकर लखनऊ के मेदांता अस्पताल लेकर चला गया। मेदांता अस्पताल में पुलिस पहुंची तो आरोपी ने चोट का हवाला देकर मुह सिल लेना ही मुनासिब समझा था। इधर पुलिस को आरोपी को गोली लगने की कहानी पच नही रही थी। आरोपी ने बचत का एक और रास्ता तलाशा। रिजनों की

संक्षिप्त खबरे

थाना अतरसुइया पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 04 अवैध जिन्दा देशी बम बरामद

प्रयागराज। थाना अतरसुइया पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त सैन्की पुत्र स्व0 दशरथ उर्फ नन्ही कनौजिया निवासी 1040/19 सत्तीचौरा मालवीय नगर थाना अतरसुइया प्रयागराज को चोर गली बाउन्ड्री के सहारे पीपल के पेड़ के नीचे से गिरफ्तार कर कब्जे से 04 अवैध जिन्दा देशी बम बरामद किये गये। उक्त गिरफ्तारी,बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अतरसुइया में मु0अ0सं0 41/2023 धारा 4,5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 पंजीकृत किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त–सैन्की पुत्र स्व0 दशरथ उर्फ नन्ही कनौजिया निवासी 1040,19 सत्तीचौरा मालवीय नगर थाना अतरसुइया प्रयागराज, उम्र करीब 29 वर्ष पंजीकृत अभियोग–मु0अ0सं0 41/2023 धारा 4,5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज बरामदगी– 04 अवैध देशी जिन्दा बम आपराधिक इतिहास–मु0अ0सं0 122/2022 धारा 4,5 विस्फोटक पदार्थ अधि0 थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज गिरफ्तारी,बरामदगी करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 हीरालाल थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज 2. का0 राम अवध यादव थाना अतरसुइया कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना मेजा पुलिस द्वारा हत्या के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना मेजा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 173/23 धारा 302/201 भादंवि0 में वांछित अभियुक्त विनोद कुमार पुत्र स्व0 डंगर नि0 दरी थाना मेजा प्रयागराज को हनुमान चौराहा वहद ग्राम धरावल से गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। घटना का संक्षिप्त विवरण–दिनांक 26.03.2023 को ओम प्रकाश पुत्र लल्लू राम नि0 धरावल थाना मेजा प्रयागराज द्वारा अपने पिता लल्लू राम कुशवाहा उम्र 60 वर्ष के गुम होने के सम्बन्ध में थाना मेजा पर गुमशुदगी अंकित करायी गयी। जिनका शव दिनांक 03.04.2023 को बछड़ा वंधा वहद ग्राम दरी थाना मेजा में प्राप्त हुआ। बाद जांच दिनांक 05.05.2023 को थाना मेजा में मु0अ0सं0 173/23 धारा 302/201 भादंवि0 बनाम विनोद कुमार पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त–विनोद कुमार पुत्र स्व0 डंगर नि0 दरी थाना मेजा प्रयागराज, उम्र करीब 34 वर्ष सम्बन्धित अभियोग –मु0अ0सं0 173/23 धारा 302/201 भादंवि0 थाना मेजा प्रयागराज गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–1.प्र0नि0 ज्ञानेश्वर मिश्र थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज 2.हे0का0 अरविन्द चौबे थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज 3.का0 घनश्याम थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना मेजा पुलिस द्वारा 02 नफर वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना मेजा पुलिस टीम द्वारा मु0नं0 37/19 धारा 406/323/504/506/427 भादंवि0 व 3(1) द, 3(ध) एससीध्एसटी एक्ट से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त अश्वनी कुमार दुबे पुत्र चक्रमाधव शरण दुबे नि0 सिरसा थाना मेजा प्रयागराज व मा0 एसीजेएम 10 इलाहाबाद के मु0नं0 1115एध09 मु0अ0सं0 429/08 धारा 395/397 भादंवि0 से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त फूलचन्द्र पुत्र रामचन्द्र उर्फ राजकरन मुसहर नि0 मेजा थाना मेजा प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार वारंटी– 1. अश्वनी कुमार दुबे पुत्र चक्रमाधव शरण दुबे नि0 सिरसा थाना मेजा प्रयागराज, उम्र करीब 59 वर्ष 2. फूलचन्द्र पुत्र रामचन्द्र उर्फ राजकरन मुसहर नि0 मेजा थाना मेजा प्रयागराज, उम्र करीब 59 वर्ष गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि0 जगदीश कुमार चौकी प्रभारी सिरसा थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज 2.उ0नि0 प्रभुनारायण यादव थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज 3.हे0का0 केन्द्र प्रकाश थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज 4.का0 प्रदीप कुमार थाना मेजा कमिश्नरेट प्रयागराज।

थाना शंकरगढ़ पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्ता गिरफ्तार, कब्जे से 1.3 किग्रा0 अवैध गांजा बरामद

प्रयागराज। थाना शंकरगढ़ पुलिस द्वारा अभियुक्ता एरावती पटेल पत्नी राजबहादुर आदिवासी निवासी वार्ड नम्बर 02 चमरौटी टोला डूडा कालोनी कस्बा शंकरगढ़ जनपद प्रयागराज को लखनपुर पानी टंकी से 100 मी0 की दूरी से गिरफ्तार कर कब्जे से 01 किलो 300 ग्रा0 अवैध गांजा बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी,बरामदगी के सम्बन्ध में थाना शंकरगढ़ में मु0अ0सं0 102/2023 धारा 8/20 NDPS Act- पंजीकृत किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्ता–एरावती पटेल पत्नी राजबहादुर आदिवासी निवासी वार्ड नम्बर 02 चमरौटी टोला डूडा कालोनी कस्बा शंकरगढ़ जनपद प्रयागराज सम्बन्धित अभियोग–मु0अ0सं0 102/2023 धारा 8,20 NDPS Act- थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज बरामदगी–01 किलो 300 ग्रा0 नाजायज गांजा गिरफ्तारीध्बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1.उ0नि0 प्रवेश यादव थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज 2.उ0नि0 ऋतुराज सिंह थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज 3.का0 बलिराम सिंह थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज 4.म0का0 लक्ष्मी यादव थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज 5.म0का0 पिंकी यादव थाना शंकरगढ़ कमिश्नरेट प्रयागराज

थाना घूरपुर पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की ट्रैक्टर की 01 बैटरी बरामद

प्रयागराज। थाना घूरपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 157/23 धारा 379/411 भादंवि0 में वांछित अभियुक्त मो0 आरिफ पुत्र मो0 नईम त्ध्व भण्डरा उमरगंज थाना नैनी प्रयागराज को गुलाटी धर्म कांटा के सामने ग्राम इरादतगंज थाना क्षेत्र घूरपुर से गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की ट्रैक्टर की बैटरी बरामद की गयी। उक्त बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 411 भादंवि0 की बढ़ोत्तरी विवेचक द्वारा की गयी। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

35 लाख की चोरी में चारो खाने पस्त नजर आ रही कौशाम्बी की महेवाघाट पुलिस

चोरी की घटना से पुलिसिया कार्यशैली की खुल रही हकीकत

प्रयाग दर्पण संवाददाता

कौशाम्बी। बिगत 28 मार्च को महेवाघाट थाना क्षेत्र के निखोदा गांव में इनकम टैक्स अफसर के घर 35 लाख की चोरी की घटना में पुलिस लगभग पस्त पर नजर आ रही है। चोरी की घटना को एक माह से ज्यादा समय बीतने के बाद भी पुलिस अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी। महेवाघाट पुलिस सिर्फ पकड़ने और छोड़ने के खेल में उलझी नजर आ रही है। घटना न खुलने से वादी पक्ष अब पूरी तरह निराश नजर आने लगे है। चोरी के घटनाक्रम को लेकर शनिवार को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के जिलाध्यक्ष हिमांचल मौर्य की अगुवाई में पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन देकर पुलिसिया हीला हवाली पर नजर सख्त करने की मांग की गई है।

महेवाघाट थाना क्षेत्र के निखोदा गांव में बिगत 28 मार्च की रात चोरों ने इनकम टैक्स अफसर के घर छत के रास्ते चढ़कर अलमारी तोड़कर 35 लाख के जेवरात व 50,000 नकदी पार कर दिया था। घटना में वादी दिनेश नारायण मिश्र की तहरीर पर महेवाघाट पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने कोतवाल महेवाघाट रोशनलाल को घटना को 2 दिन के अंदर खोलने का सख्त अल्टीमेटम दिया था। इधर घटना 1 माह से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी पुलिसिया जांच जस की तस साबित हो रही है। सूत्रों की माने तो पुलिस अब पूरी तरह बैकफुट पर नजर आ रही है ,और वादी पक्ष से खोखले वादे करते दिखाई दे रही है।

आरोपी प्रोफेसरों के घर पर लगातार दबिश दे रही पुलिस

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में इकोनॉमिक्स विभाग की एक महिला यौन शोषण के मामले में पुलिस आरोपी प्रोफेसरों के घर लगातार दबिश दे रही है लेकिन वह घर छोड़कर फरार हैं। मौके पर पुलिस वालों ने अगल–बगल के लोगों से भी पूछताछ की तो पता चला कि कई दिनों से इन सब के घर पर ताला लगा है। इस बाबत.छात्र नेता अजय सम्राट ने कहा 136 वर्षों में पहली महिला कुलपति बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ संगीता श्रीवास्तव को लेकिन उन तीनों उन तीनों आरोपियों को बचाने में लगी है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव को 48 घंटे का अल्टीमेटम यदि सोमवार तक रिटायर्ड प्रोफेसर मनमोहन कृष्णा, वर्तमान कार्यरत प्रो. जावेद अख्तर के खिलाफ विश्वविद्यालय प्रशासन कार्रवाई नहीं करता तो मंगलवार को एक व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

धूमधाम के साथ मनाया डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का जन्मदिन

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज महानगर द्वारा सिविल लाइन कार्यालय में भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का 53 वां जन्मदिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उन्होंने केक काटकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को जन्मदिन की बधाई देते हुए ईश्वर से दीर्घायु की कामना कीइस अवसर पर गणेश केसरवानी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज के गौरव है और सच्चे राम भक्त हैं। वह भारतीय जनता पार्टी के सच्चे सिपाही है और उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय नेता हैं। श्री मौर्य की प्रयागराज कर्मभूमि रही है। उन्होंने राजनीति के क्षेत्र में संघर्ष करते हुए आज उप मुख्यमंत्री के पद पर सुशोभित है और उनके द्वारा प्रयागराज में चहुंओर विकास की धारा बह रही है। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने केक काटकर एक दूसरे को खिलाया और पटाखे फोड़े और श्वेत कबूतर उड़ाकर स्वतंत्रता और शांति का संदेश दिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, शैलेंद्र मौर्य, पदुम जायसवाल, रणजीत सिंह, कुंज बिहारी मिश्रा, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, रमेश पासी, ज्ञानेश्वर शुक्ला, किरन जायसवाल, राजू पाठक, गिरजेश मिश्रा, राजन शुक्ला, आशीष गुप्ता, प्रमोद मोदी, आनंद सोनकर, सुभाष वैश्य, रोहित पप्पू पांडे, राजेश सोनकर, नरेश कुंद्रा, विजय श्रीवास्तव, विजय सिंह, गीता कनौजिया, दुर्गेश नंदिनी, वंदना दुबे, कल्पना शर्मा, उज्जवल जैन, अजय अग्रहरि, शत्रुघ्न जायसवाल एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकास के यात्रा पर निकले नगर विकास एवं उर्जा मंत्री एके शर्मा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

मऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने नगर के परसपुरा नगर पंचायत के अम्बेडकर पार्क में दलित समाज के लोगों के बीच पहुँच कर सबसे पहले बाबा साहब भीमराव अंबेडकर भगवान गौतम बुद्ध व संत रविदास जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया। फिर वहाँ के भाजपा सभासद प्रत्याशी डा. विष्णू प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। जनसभा में दलित समाज का जनसमर्थन और भारी संख्या देखकर मंत्री एके शर्मा ने कहा कि दलित समाज का यह प्यार और समर्थन मऊ में विकास और बड़े बदलाव का संकेत दे रही है। इसलिए आप सभी से आपके जिले का ही मूल निवासी और आपका बेटा होने के नाते आया हूँ कि आप लो भाजपा को भारी मतों से विजयी बनाकर अपने समाज के लिए अपने बच्चों के भविष्य के लिए निकाय में ट्रिपल इंजन सरकार बनाने का काम करिये जिससे हमे और प्रदेश सरकार को आपका सेवा तथा विकास करने का अवसर प्राप्त हो सके। इसके बाद मंत्री एके शर्मा ने निकाय चुनाव में मऊ जिले के नगर पालिका मऊ के वार्ड नंबर 16 सलाहाबाद में भाजपा के सभासद प्रत्याशी विजय कुमार सिंह के समर्थन में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम मैं दलित और पिछड़े समाज के लोगों के बीच चुनाव और विकास कार्यों पर चर्चा किया तथा सभा को संबोधित किया। इसके बाद मंत्री एके शर्मा मऊ नगर पालिका के बड़ागांव से मीरजा हादीपुरा चौराहे तक भारी जनसैलाब के साथ भाजपा के विजय रथ यात्रा का आगाज करते हुए रथयात्रा में शामिल हुए। हजारों की संख्या म्ऊ के युवा समर्थक और जनता जनार्दन अपनी अपनी बाईक लेकर यात्रा में शामिल हुए। रथ पर सवार उत्तर प्रदेश सरकार के उर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा, उत्तर प्रदेश के मंत्री डॉ दिनेश सिंह, नगर पालिका मऊ के भाजपा द्वारा घोषित अध्यक्ष पद प्रत्याशी अजय कुमार आदि समस्त वरिष्ठ पदाधिकारी गण ने जनता का जोरदार अभिवादन हाथ हिलाकर स्वीकार किया।

रात में बेंचने के लिए ले जाये जा रहे ट्रैक्टर पर लदे सरकारी खाद्यान्न को ग्रामीणों ने पकड़ा, पुलिस ले गयी चौकी

प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर विकासखंड के पतुलकी गांव में सरकारी खाद्यान्न के ग्रामीणों द्वारा पकड़े जाने पर हड़कंप मच गया। आरोप है कि शुक्रवार की रात करीब साढ़े नौ बजे चौंतीस बोरी में बीस कुन्टल चावल तथा साढ़े इक्यावन किलो गेहूं को ट्रैक्टर से लाद कर गांव से बाहर भेजा जा रहा था। अचानक ग्रामीणों की नजर ट्रैक्टर पर लदी सरकारी खाद्यान्न की बोरियों पर पड़ गयी।

ग्रामीणों ने ट्रैक्टर को रोककर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर को सरकारी खाद्यान्न के साथ बाबूगंज पुलिस चौकी ले आई। शनिवार को सूचना पर पूर्ति निरीक्षक राजसिंह यादव की मौजूदगी में पुलिस चौकी में राशन की तौल कराई गयी। पूर्ति निरीक्षक का कहना है कि सरकारी राशन की बरामदगी की जांच कर रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी जाएगी।

जीएम हॉस्पिटल में हुआ नेत्र स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

मथुरा। गोवर्धन क्षेत्र के नीमगांव कुंजेरा रोड स्थित जीएम हॉस्पिटल में नेत्र स्वास्थ्य शिविर लगा। महंत प्रेम दास महाराज, विशिष्ठ अतिथि डॉ रचना गोयल, पीएसआरआई हॉस्पिटल नई दिल्ली की कंसलटेंट सचिव बीबी शर्मा, बिन्देश कुमार दीक्षित, डॉ अभिषेक चौधरी, मेडिकल डारेक्टर ऑफ जीएम हॉस्पीटल आकाश कुमार गौतम, पवन शर्मा के द्वारा नेत्र स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ किया गया। डॉ श्रॉफ चौरिटी आई हॉस्पीटल के सहयोग से प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञों व उनकी टीम के द्वारा नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. सूफियान दानिश व उनकी टीम के द्वारा नेत्र से सम्बन्धित रोग का इलाज किया गया। जिसमें 128 रजिस्ट्रेशन हुए मोतियाबिंद 40 ग्लूकोमा 35 रेटीना 8 भैंगापन 7 कार्निया 15 मरीजों की समस्याओं का निदान किया गया साथ ही मोतियाबिंद के आपरेशन के लिए 4 मरीजों को डॉ सूफियान दानिश के द्वारा डॉ श्राफ चेरीटी आई हॉस्पीटल भेजा गया। वही शिविर में डॉ अभिषेक चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में नेत्र से संबंधित परेशानियों का इलाज व परामर्श निशुल्क दिया गया तथा शिविर में निशुल्क दवाई व चश्में जरूरतमंद मरीजों को उपलब्ध कराई गई और दूर दराज से आये सभी ग्राम वासियों ने अपने नेत्र से सम्बन्धित सभी बीमारियों का परामर्श कर निशुल्क में दवाई चश्मे आदि का लाभ लिया। इस मौके पर सीताराम त्यागी डॉ तेजेन्द्र कुमार रोशनी गुरुदेव सोनू सिंह गजेन्द्र सिंह दिनेश अर्जुन सिंह दीनदयाल गोस्वामी राम कुमार सैनी मनोज समाधिया व समस्त जीएम हॉस्पिटल का स्टाफ उपस्थित रहा।

अटल आवासीय विद्यालय में प्रयागराज मण्डल के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों तथा कोविड के दौरान अनाथ हुए बच्चे प्रवेश हेतु आवेदन पत्र 25 मई तक करें जमा

प्रवेश परीक्षा का आयोजन 11 जून को

प्रयागराज। प्रवेश परीक्षा से सम्बंधित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु हेल्पलाइन नम्बर–8318695781 एवं 6394976013 पर किया जा सकता है सम्पर्क मुख्य विकास अधिकारी श्री गौरव कुमार ने बताया है कि प्रयागराज के ग्राम बेलहट, कोरांव में मा0 मुख्यमंत्री जी के महत्वाकांक्षी अटल आवासीय विद्यालय में प्रयागराज मण्डल के जनपद– प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर एवं प्रतापगढ़ में उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों तथा कोविड के दौरान अनाथ हुए बच्चे प्रवेश के पात्र होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान शैक्षिक सत्र 2023–24 के लिए कक्षा–06 में कुल 80 बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा, जिसमें 40 छात्र तथा 40 छात्राएं होंगी। विद्यालय में प्रवेश हेतु बच्चों के लिए निर्धारित पात्रता के अन्तर्गत वे बच्चे, जो न्यूनतम कक्षा–5वीं उत्तीर्ण हों तथा जिनकी जन्म तिथि 01.05.2010 से दिनांक 30.04.2013 के बीच हो, विद्यालय में प्रवेश हेतु पात्र होंगे। यह तिथियां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग, सभी श्रेणियों के उम्मीदवारों पर लागू होगा। विद्यालय में बी0ओ0सी0 बोर्ड में पंजीकृत, ऐसे निर्माण श्रमिक (जिनका पंजीयन दिनांक 01 अप्रैल, 2020 के पूर्व हुआ हो) तथा जिनका पंजीयन हुए 03 वर्ष या उससे अधिक की सदस्यता अवधि पूर्ण कर चुका हो, उनके प्रति परिवारों के अधिकतम 02 बच्चे पात्र होंगे। इसके साथ ही वह बच्चे, जो कोविड काल में अनाथ हुए हैं तथा जिनका पंजीयन महिला एवं बाल विकास विभाग में हो। विद्यालय में प्रवेश हेतु दिनांक 24.05.2023 तक पूर्वान्ह 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक प्रयागराज मण्डल के समस्त जनपदों के श्रम कार्यालय, खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी कार्यालयों से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते है एवं पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र दिनांक 25.05.2023 की सायं 05:00 बजे तक श्रम कार्यालय, खण्ड शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड विकास अधिकारी कार्यालयों में जमा किए जा सकते है। प्रवेश परीक्षा का आयोजन दिनांक 11.06.2023 को किया जाएगा, जिसमें मानसिक क्षमता परीक्षण, अंकगणित परीक्षण तथा भाषा परीक्षण से सम्बंधित प्रश्न होंगे। प्रवेश परीक्षा से सम्बंधित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु हेल्पलाइन नम्बर–8318695781 एवं 6394976013 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अतीक-अशरफ हत्याकांड की हर एंगल से जांच कर रही न्यायिक आयोग की टीम

प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड के 50 दिन बाद हुए अतीक अहमद और अशरफ हत्याकांड की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग की टीम शूटआउट के हर पहलू पर जांच कर रही है। शुक्रवार को पहुंची पांच सदस्यीय टीम ने भी घटनाक्रम की बारीक छानबीन की। एक–एक बिंदू पर विचार किया और स्थानीय पुलिस के साथ ही एसआइटी और फोरेंसिक टीम से जानकारी ली। शुक्रवार की देर शाम और शनिवार को न्यायिक आयोग की टीम ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बयान दर्ज किए। इसके साथ ही कुछ अन्य लोगों के बयान भी दर्ज किए गए। इस हत्याकांड में क्या कोई लापरवाही रही और किसने लापरवाही की, फायरिंग शुरू होने पर पुलिस दल की प्रतिक्रिया कैसी रही, यह सब जांच के बिंदु हैं। शूटरों के बारे में भी न्यायिक आयोग को पुलिस अधिकारियों ने जानकारी दी है।

15 अप्रैल की रात का वाकया बेहद सनसनीखेज रहा। हथियारों से लैस पुलिसकर्मियों की कस्टडी में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ को तीन शूटरों ने मार डाला था। उन दोनों पर शूटरों ने पुलिसवालों के सामने एकदम निकट से फायरिंग की थी। प्रदेश सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने घटना के पांच दिन बाद आकर जांच की थी। उसी दिन एसआइटी ने क्राइम सीन का रीक्रिएशन किया यानी पुलिसवालों को शूटर बनाकर घटनाक्रम को दोहराकर उस मंजर को समझाने का प्रयास किया था। उस पूरे वाकये को इस तरह से दोहराया गया जैसे सब कुछ दोबारा हो रहा हो।

साथ में फोरेंसिक टीम ने भी फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी करते हुए मैपिंग भी की थी। जांच को और आगे बढाते हुए न्यायिक आयोग ने शुक्रवार को दोबारा जांच की तो यह भी जानने का प्रयास किया कि क्या इस घटनाक्रम में किसी तरह की लापरवाही भी रही। शाम को अस्पताल में न्यायिक आयोग ने हर पहलू पर नजर डाली। घटना के बाद सवाल उठाया गया था कि अतीक और अशरफ को एंबुलेंस या पुलिस जीप में गेट के भीतर तक क्यों नहीं ले जाया गया। क्यों उन्हें पैदल सड़क से अंदर पुलिस ले जा रही थी। अनुमान है कि इन सब पहलुओं को भी जांच के दायरे में रखा गया है। पुलिस अधिकारियों से भी न्यायिक टीम ने हर बिंदु पर सवाल किए और जानकारी ली। है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–ः संस्थापक ः–
स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक
स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)
मोबाइल नंबर 9450475366
Email
prayagdarpan@gmail.com
R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।